हिम्मत करना क्षण भर के लिए अपना संतुलन खोना है। हिम्मत न करना खुद को खोना है।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित भोपाल, बुधवार 11 फरवरी 2026 वर्ष-35 अंक-174 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफ न्यूज

चुनाव से पहले युवाओं के खाते में 15 सौ रुपये देगी ममता सरकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य सचिवालय नवान्न में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंतरिम बजट में घोषित 'युवसाथी' योजना को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार यह योजना अब एक अप्रैल से लागू करेगी। इसके तहत राज्य के 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के बेरोजगार युवाओं को हर महीने 15 सौ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले यह योजना 15 अगस्त से शुरू करने का निर्णय लिया गया था लेकिन नया आर्थिक वर्ष एक अप्रैल से शुरू होता है इसलिए उसी दिन से योजना लागू करने का फैसला किया गया है।

लिटन में तीसरे दिन भी आगजनी, सुरक्षा बल तैनात

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिला के लिटन इलाके में मंगलवार को भी हिंसा की खबर सामने आई है। गोलीबारी और आगजनी की नई घटनाओं की खबरें आईं, जबकि सरकार और सुरक्षा एजेंसियां हालात सामान्य करने की लगातार कोशिशों में जुटी हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार की सुबह लगातार तीसरे दिन भी हिंसात्मक घटना देखी गयी। दावा किया गया है कि इलाके से गोलीबारी और आगजनी की खबरें सामने आईं। सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। हालात को और बढ़ने से रोकने के लिए और अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। इलाके में कर्फ्यू लगाया गया है। साथ ही मोबाइल इंटरनेट को भी बंद किया गया है।

डाक विभाग का एनएसई के साथ म्यूचुअल फंड वितरण समझौता

नई दिल्ली। डाक विभाग ने देशभर में म्यूचुअल फंड से जुड़ी सुविधाएं आम लोगो तक पहुंचाने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ म्यूचुअल फंड वितरण को लेकर समझौता किया है। इससे डाक विभाग अपने नेटवर्क के जरिए पूरे देश में एनएसई म्यूचुअल फंड लेन-देन के लिए अपने डिजिटल प्लेटफार्म की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार यहां हुए इस कार्यक्रम में डाक विभाग की ओर से मनीषा बंसल बादल और एनएसई की ओर से श्रीराम कृष्णन ने समझौते पर दस्तखत किए। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समझौता 3 सालों के लिए किया गया है। योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शुरुआती चरण में पायलट परियोजना शुरू की जाएगी।

भारत ने सऊदी अरब के वर्ल्ड डिफेंस शो में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके।

पीएमजीएसवाई के तहत बिहार को 210 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता स्वीकृत

पटना। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत बिहार राज्य को वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 के लिए 210 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि जारी करने की स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि राज्य को अनुदान सहायता के रूप में दी गई है।

यह भुगतान वर्ष 2023ङ्क24 के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों से संबंधित है। इस चरण के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी 987.875 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें से अब तक 383.75 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके थे।

वर्तमान में 210 करोड़ रुपये जारी किए जाने के बाद केंद्रीय हिस्से की शेष राशि 394.125 करोड़ रुपये रह जाएगी। इस किस्त के अंतर्गत राज्यांश 165.53 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है।

साइबर सुरक्षा देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक कार्यक्रम में कहा कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीकी मुद्दा नहीं रह गया है बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ चुका है। देश के डेटा को हर हाल में सुरक्षित करना होगा।

सीबीआई ने आयोजित साइबर सक्षम धोखाधड़ी से निपटने और उसके पूरे तंत्र को ध्वस्त करने के विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन यहां 10 और 11 फरवरी तक चलेगा। इस अवसर पर गृह मंत्री ने सीबीआई के नए साइबर अपराध प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया। साथ ही भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के अंतर्गत स्टेट साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (एस4सी) डैशबोर्ड की भी शुरुआत की।

इस मौके पर गृह मंत्री ने कहा कि यह दोनों ऐसी इकाइयां हैं, जिसमें अलग-अलग विभाग और एजेंसियां एक ही प्लेटफॉर्म पर साइबर अपराध से निपटने के लिए काम कर रही हैं। जब सभी प्रयास एक दिशा में होते हैं, तभी अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। पिछले 11 वर्षों की भारत की डिजिटल यात्रा में साइबर सुरक्षा सबसे अहम विषय बनकर उभरी है।

अमित शाह ने कहा कि पहले देश में डिजिटल सेवाओं के करीब 25 करोड़ उपयोगकर्ता थे, जो अब 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुके हैं। एक जीबी डेटा की कीमत में करीब 97 प्रतिशत की

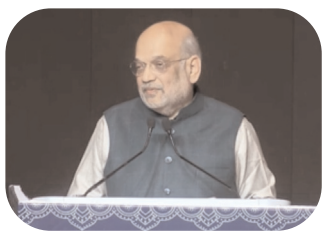

कमी आई है। दुनिया के हर दूसरे डिजिटल लेन-देन भारत में हो रहे हैं। 97 करोड़ से अधिक जनधन खातों और देश के संगठनों के संवेदनशील डेटा की सुरक्षा अब बड़ी चुनौती है।

गृह मंत्री ने बताया कि हाल के वर्षों में सीबीआई ने 20 हजार करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामलों की जांच की है, जिनमें से 8 हजार करोड़ रुपये की राशि को फ्रीज किया गया है। इसके अलावा 12 लाख सिम कार्ड रद्द करवाए गए हैं। वर्ष 2025 तक 20 हजार 853 साइबर अपराधियों को पकड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि 30 नवंबर 2025 तक देशभर से 23 लाख 61 हजार साइबर शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें एक मामला अकेले 20 हजार करोड़ रुपये के फ्रॉड से जुड़ा था, जिसमें 8 हजार करोड़ रुपये फ्रीज किए गए। दिसंबर 2025 तक 12 लाख सिम कार्ड ब्लॉक किए जा चुके हैं।

अमित शाह ने म्यूल अकाउंट (धोखाधड़ी के उद्देश्य से बनाये गए फर्जी खाते) की समस्या पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज म्यूल खाते सर्विस की तरह खरीदे और बेचे जा रहे हैं। रिजर्व बैंक और गृह मंत्रालय ने मिलकर म्यूल अकाउंट हंटर ऐप तैयार किया है।

कैशलेस उपचार के लिए एआईआईए ने किए 32 बीमा कंपनियों के साथ समझौता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में कैशलेस उपचार उपलब्ध होगी। मंगलवार को एआईआईए ने जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के साथ साझा समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

यह एमओयू औपचारिक रूप से प्रो. (वैद्य) पी. के. प्रजापति, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान तथा सेगर संपतकुमार, निदेशक (स्वास्थ्य), जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के मध्य संपन्न हुआ।

इस अवसर पर आयुष स्वास्थ्य बीमा पर कोर ग्रुप ऑफ एक्सपर्ट्स के अध्यक्ष प्रो. बेजोन कुमार मिश्रा उपस्थिति रहे।

कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) महेश व्यास, डीन (पीएच.डी.); प्रो. (डॉ.) आर. के. यादव, डीन (पीजी); डॉ. अलका कपूर, डीएमएस तथा एआईआईए के अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य भी थे।

इस समझौते के हस्ताक्षर के साथ ही एआईआईए जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के अंतर्गत आने वाली सभी 32 बीमा कंपनियों के साथ एम्पैनल हो गया है, जिससे रोगियों को कैशलेस उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

कैबिनेट के बड़े फैसले: जनजातीय-महिला योजनाओं को 7133 करोड़ की मंजूरी, पेंशन नियमों में बड़ा बदलाव

2030-31 तक योजनाओं की निरंतरता तय, 63 हजार से अधिक घरों में होगा विद्युतीकरण; अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा बेटियां भी परिवार पेंशन की पात्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक में जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रुपये की बड़ी राशि को मंजूरी दी गई। इन फैसलों को सामाजिक विकास और प्रशासनिक सुधार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

स्वीकृत राशि के तहत जनजातीय कार्य विभाग की विभिन्न योजनाओं को वित्तीय समर्थन मिलेगा। इनमें पीवीटीजी आहार अनुदान योजना के लिए 2,350 करोड़ रुपये, एकीकृत छात्रावास योजना के लिए 1,703 करोड़ 15 लाख रुपये, सीएम राइज विद्यालय योजना के लिए 1,416 करोड़ 91 लाख रुपये और आवास सहायता योजना के लिए 1,110 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा अनुसूचित जाति-जनजाति विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए 522 करोड़ 8 लाख रुपये तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के लिए 31 करोड़ 3 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

मंत्रि-परिषद ने 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत अविद्युतीकृत घरों और शासकीय संस्थानों में बिजली पहुंचाने के लिए 366 करोड़ 72 लाख रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की है। इस योजना के तहत 63,077 घरों और 650 सरकारी संस्थानों में विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा दूरस्थ क्षेत्रों में 8,521 घरों को सोलर और बैटरी आधारित ऑफ-ग्रिड सिस्टम से बिजली देने के लिए 97 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना में केंद्र और राज्य दोनों की साझेदारी से काम किया जाएगा।

कृषि विकास, मूल्य संवर्धन को लेकर चंद्रबाबू नायडू ने की शिवराज चौहान से मुलाकात

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से यहां मंत्रालय में मुलाकात की। इस दौरान राज्य में कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों, योजनाओं की प्रगति तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई।

नायडू ने आंध्र प्रदेश के किसानों की आवश्यकताओं, फसल विविधीकरण, मूल्य संवर्धन, सिंचाई, प्रसंस्करण तथा कृषि-आधारित उद्योगों के विस्तार से जुड़े विषय केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखे। चौहान ने राज्य की प्राथमिकताओं को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि आंध्र प्रदेश की कृषि संबंधी सभी प्रमुख समस्याओं का समाधान त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राज्य सरकार के साथ समन्वय बढ़ाकर समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।

मुलाकात के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू तथा ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी उपस्थित रहे।

चौहान ने पत्रकारों से कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में आंध्र प्रदेश की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आंध्र प्रदेश ने सबसे पहले 'विकसित भारत जी राम जी योजना में बजट आवंटित किया, जो एक दूरदर्शी और सकारात्मक पहल है तथा कृषि और ग्रामीण विकास के प्रति उसकी गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्रीय बजट में नारियल संवर्धन योजना को विशेष प्राथमिकता दी गई है, साथ ही कोको, काजू एवं अन्य बागवानी फसलों के समग्र विकास के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं।

कोयला तस्करी मामला: ईडी ने दो कारोबारियों को किया गिरफ्तार

कोलकाता। झारखंड-आसनसोल कोयला तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार सुबह इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सोमवार देर रात तक पूछताछ के बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया था।

ईडी सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों के नाम चिन्मय मंडल और किरण खां हैं। जांच में असहयोग करने के आरोप में दोनों को हिरासत में लिया गया है। यह पहली बार है जब कोयला तस्करी मामले में किसी कारोबारी को ईडी ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, बीते सप्ताह ईडी की विशेष टीम ने दोनों आरोपितों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान एक आरोपित के आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। इसके बाद ईडी ने दोनों कारोबारियों को पूछताछ के लिए तलब किया। लंबी पूछताछ के बाद जांच में सहयोग न करने और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच एजेंसी का दावा है कि चिन्मय मंडल और किरण खां प्रोटेक्शन मनी के बदले कोयला तस्करी को बढ़ावा देते थे और कोयला सिंडिकेट से सीधे तौर पर जुड़े हुए थे। ईडी अधिकारियों के अनुसार, लेनदेन से जुड़े चैट रिकॉर्ड दिखाए जाने के बावजूद दोनों ने पूछताछ में सहयोग करने से इनकार किया।

पेंगुइन के ट्वीट के बाद भाजपा का राहुल गांधी पर तीखा प्रहार, कहा- कपोल कथा के लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए

नई दिल्ली। पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा को लेकर पब्लिशर पेंगुइन के ट्वीट के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया। भाजपा ने संसद में दिए गए उनके बयानों को कपोल कथा बताया और कहा कि उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने मुकुंद नरवणे के एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब स्थिति पूरी तरह साफ हो गई है।

जनरल नरवणे द्वारा पब्लिशर पेंगुइन के ट्वीट का समर्थन किए जाने के बाद राहुल गांधी द्वारा पेश की गई काल्पनिक कहानी पूरी तरह से खत्म हो गई है। पेंगुइन ने साफ तौर पर

कहा है कि अभी तक ऐसी कोई किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पेंगुइन ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर किसी के पास ऐसी किसी किताब की कोई प्रति है, तो वह अलग और अवैध है और यह कॉपीराइट का उल्लंघन माना जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस मामले में अब न तो लेखक और न ही प्रकाशक की ओर से कोई भ्रम की स्थिति बची है, और सच्चाई सबके सामने आ चुकी है। राहुल गांधी ने कपोल कथा या काल्पनिक कथा सदन की पटल पर सुनाने का काम किया है। लेखक और प्रकाशक दोनों ने स्पष्ट कर दिया है और सच सबके सामने है। अब स्पष्ट हो गया कि कौन् झूठ बोल रहा है। नेता प्रतिपक्ष झूठ बोल रहे हैं। राहुल गांधी ने देश की संसद का प्रयोग अपनी छोटी राजनीति करने के लिए किया। राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में संदेह उत्पन्न करने का काम निंदनीय है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कुछ ही दिनों पहले नेता सदन जेपी नड्डा ने राहुल गांधी को अबोध बालक कहा था, लेकिन आज राहुल गांधी शातिर बालक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उनका यह अपराध माफी के ला?क नहीं है। उन्हें स्पष्ट रूप से देश से माफी मांगनी चाहिए।

मणिपुर में 3 उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियां उग्रवादियों, अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ के विरूद्ध लगातार अभियान जारी रखे हुए हैं। अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादियों को जहां गिरफ्तार किया गया, वहीं भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद करने के साथ ही हिंसा प्रभावित क्षेत्र में फंसे दो लोगों को बताया गया।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी जानकारी के अनुसार सोमवार को सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले के लमलाई थानांतर्गत नोंगदम गांव, न्गारू चेंगजेल पहाड़ी क्षेत्र से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया। बरामद सामग्रियों में मुख्य रूप से मैगज़ीन के साथ एक .303 राइफल, दो 12 बोर सिंगल बैरल रायफल, एक मैगज़ीन के साथ 9 मिमी की चार पिस्तौल और तीन 36 नंबर हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

वहीं, अन्य एक अभियान में इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थानांतर्गत लिलोंग चाजिंग क्षेत्र में बम विस्फोट के एक मामले की जांच के बाद मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों के विभिन्न स्थानों से अपराध में शामिल केसीपी (अपुनबा) के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान लैशराम बुलु सिंह (39), पुयामाचा डेविड (22) और निंगथौजम चलम्बा सिंह (29) के रूप में की गयी है।

एक विधायक के रूप में आज जो उन्हें सम्मान दिया गया, वह उनके लिए भावुक और अविस्मरणीय: नितिन नवीन

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बिहार विधानसभा पहुंचे नितिन नवीन का सदन में विभिन्न दलों के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार विधानसभा में अपने सम्मान के लिए सदन के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक विधायक के रूप में जिस प्रकार आज उन्हें सम्मान दिया गया, वह उनके लिए भावुक और अविस्मरणीय क्षण है।

नितिन नवीन ने कहा, मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि आज का दिन इस रूप में आएगा। यह मेरे व्यक्तिगत प्रयास का नहीं, बल्कि आप सभी वरिष्ठ नेताओं और साथियों के मार्गदर्शन तथा

आशीर्वाद का परिणाम है। मैं पूरे सदन को इसके लिए धन्यवाद देता हूं उन्होंने मुख्यमंत्री, वरिष्ठ मंत्रियों तथा विभिन्न दलों के नेताओं का नाम लेकर आभार प्रकट किया और कहा कि सदन में काम करते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक मर्यादाओं, अनुशासन और जनप्रतिनिधि के दायित्वों को समझना सीखा है।नवीन ने कहा कि राजनीति में आने वाले नए लोगों के लिए सदन एक शिक्षालय की तरह है, जहां पार्टी की विचारधारा के साथ-साथ जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और सदन की गरिमा बनाए रखने की सीख मिलती है। एक विधायक के रूप में हमें जनता की आवाज भी उठानी होती है और सदन की मर्यादा का भी ध्यान रखना होता है। इन दोनों के संतुलन से ही लोकतंत्र मजबूत होता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विधायक बनने के बाद उन्होंने शासन में पारदर्शिता और सुशासन की प्रक्रिया को करीब से देखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेवा भावना और राज्य में सुशासन की स्थापना से प्रेरणा मिलती रही है।नितिन नवीन ने कहा कि सदन और सरकार में रहते हुए छोटी-बड़ी घटनाओं से बहुत कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए दायित्व के साथ भी वे लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और जनसेवा की भावना को सर्वोपरि रखेंगे।

देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा विपक्ष: भाजपा

नई दिल्ली। संसद में हंगामे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने के प्रयास का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि सभी देख रहे हैं कि मीडिया में किस प्रकार सदन में हो रही गतिविधियों को लेकर घमासान मचा हुआ है। पूरे देश में विपक्ष जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सब आज से नहीं हो रहा, बल्कि जब से भाजपाङ्कनीत राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर देश के संवैधानिक संस्थानों पर गातार हमले कर रहे हैं। ये देश में अस्थिरता फैलाना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी ने एसआईआर को फर्जी बताकर एक खास तरह का माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यह नैरेटिव गढ़ा गया कि एसआईआर फर्जी है, यह चुनावी रोल की शुचिता के लिए नहीं है, यह भाजपा के फायदे के लिए है और यह मसौदा गैरकानूनी है।

ब्रीफ न्यूज

नंबर-1 शहर में कचरा संकट... गाड़ियां नहीं पहुंच रहीं समय पर

उज्जैन। स्वच्छता में देशभर में नंबर-1 का तमगा हासिल करने वाला उज्जैन इन दिनों कचरा उठाने की अव्यवस्था से जूझ रहा है। करीब 10 लाख की आबादी वाले शहर में कई वार्डों में कचरा गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच रहीं, जिससे सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर दिखाई देने लगे हैं। इससे न सिर्फ आमजन को परेशानी हो रही है, बल्कि शहर की स्वच्छ छवि पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नगर निगम द्वारा जब से सॉलिड वेस्ट कलेक्शन का ठेका निजी कंपनी को दिया गया, तभी से कचरा उठाने की व्यवस्था लड़खड़ाती नजर आ रही है। ठेका मैन्युअल में साफ निर्देश हैं कि हर कचरा गाड़ी में ड्राइवर के साथ दो कर्मचारी रहेंगे, जो छोटी गलियों में आवाज लगाकर घर-घर से कचरा उठाएंगे और सूखा व गीला कचरा अलग-अलग गाड़ियों में डालेंगे। लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है। न तो कर्मचारियों की संख्या पूरी है और न ही कचरे का पृथक्करण हो पा रहा है। स्थिति यह है कि सॉलिड वेस्ट कंपनी का ठेका खत्म हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नया ठेका नहीं दिया गया है। बीच में यह जिम्मेदारी एक आउटसोर्स कंपनी को सौंपी गई, जो अपेक्षित ढंग से काम नहीं कर सकी।

पहले चरण में कंठाल से सतीगेट तक होगा सड़क चौड़ीकरण

उज्जैन। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल कंठाल से सतीगेट तक अब सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से आगे बढ़ेगा। नगर निगम ने पहले चरण में सतीगेट के पहले तक करीब 150 मीटर मार्ग चौड़ा करने की योजना बनाई है। इसके लिए नपती और नोटिस वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस मार्ग पर आए दिन लगने वाले भारी जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए निगम ने यह कदम उठाया है। खासकर सतीगेट से खड़े हनुमान और कंठाल क्षेत्र में स्थिति सबसे ज्यादा खराब रहती है। यहां कई दुकानदारों द्वारा 10-10 फीट तक सड़क पर सामान फैलाने से यातायात बाधित हो रहा है।

नगर निगम द्वारा कोयला फाटक से कंठाल तक चौड़ीकरण का काम शुरू हुए करीब 10 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 350 से 400 मीटर सड़क ही बन पाई है। निजातपुरा और नरेन्द्र टॉकीज रोड पर विकास कार्य भी अपेक्षित गति से नहीं हो सका। अब निगम ने तय किया है कि कंठाल से सतीगेट तक के हिस्से में सीवर लाइन का कार्य भी किया जाना है, इसलिए पहले ही चरण में यहां कार्रवाई शुरू की जाएगी।

गाड़ी अड्डा से मक्सी रोड-80 फीट सड़क की जरूरत नही

उज्जैन। गाड़ी अड्डा से लेकर मक्सी रोड बायपास तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। नगर निगम द्वारा वर्तमान 20 फीट की सड़क को 80 फीट (24 मीटर) चौड़ा करने की कवायद पर नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि घनी बस्ती के बीच 80 फीट रोड की कोई आवश्यकता नहीं है, इससे सैकड़ों परिवार बेघर हो जाएंगे। रवि राय ने प्रशासन को सुझाव दिया कि यदि सड़क चौड़ी करनी ही है, तो गरीबों के आशियाने तोड़ने की बजाय पास ही स्थित हीरा मिल की शासकीय भूमि का उपयोग किया जाए। यदि 50 फीट तक की सड़क बनानी है तो वह हीरा मिल की जमीन पर बनाई जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह क्षेत्र न तो सिंहस्थ मेला क्षेत्र में आता है और न ही यहां कुंभ लगता है, इसलिए यहां 80 फीट चौड़े रोड का कोई औचित्य नहीं है।

सीएमएचओ अशोक पटेल और नागदा सीएमओ सहित 3 को नोटिस

उज्जैन। सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों का तय समय में करने के कहा जा रहा है। बावजूद कई अधिकारी इसे नजर अंदाज कर रहे हैं। सोमवार को सीएल पत्रों की समीक्षा बैठक में 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों के निराकरण पर ध्यान नहीं देने पर कलेक्टर रौशन सिंह ने सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल, नागदा के प्रभारी सीएमओ रवि गुप्ता और उच्च शिक्षा विभाग की जिला अधिकारी वंदना गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की है। इनके अलावा बैठक में अनुपस्थित रहने पर उन्हेल नगर परिषद सीएमओ संजय देवड़ा पर भी कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किया। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 11 फरवरी के प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियां करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए।

उज्जैन में 12वीं के स्टूडेंट्स ने दिया पहला पेपर

पहली बार एग्जाम सेंटर के हर कक्ष में लगे मोबाइल जेमर; 40,234 स्टूडेंट्स हुए शामिल

उज्जैन। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा मंगलवार से शुरू हो रही है। पहला पेपर 12वीं का है। पहली बार सभी परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक कक्ष में मोबाइल जैमर लगाए गए हैं, जिससे परीक्षा केंद्र में न तो मोबाइल पर बातचीत हो सकेगी और न ही इंटरनेट का उपयोग किया जा सकेगा।

उज्जैन जिले में कुल 40,234 परीक्षार्थियों की बोर्ड परीक्षा की शुरुआत हो रही है। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहा। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए 10 निरीक्षण दल गठित किए गए हैं।

जिले के 10 अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर पृथक से प्रेक्षक भी नियुक्त किए गए हैं। वहीं, कुल 77 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस गार्ड तैनात किए गए हैं। 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा का पहला पेपर 17 फरवरी से शुरू होगा।

सीसीटीवी से मॉनिटरिंग की जा रही

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर सीसीटीवी से मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रश्नपत्र से संबंधित संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी। साथ ही जिले के परीक्षा केंद्रों पर फ्लाइंग स्क्वॉड द्वारा सतत जांच की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष और कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। वहीं, पर्यवेक्षण कार्य करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति बीईओ के माध्यम से की गई है।

चरक अस्पताल की सीवरेज समस्या का समाधान जल्द

57 लाख का वर्क ऑर्डर जारी, दो माह में बदबू से मिलेगी राहत

उज्जैन। संभागीय चरक अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को जल्द ही बदबू और गंदे पानी से राहत मिलने की उम्मीद है। अस्पताल के मुख्य गेट के पास लंबे समय से फैला ड्रेनेज का गंदा पानी अब इतिहास बनने जा रहा है। नगर निगम ने चरक अस्पताल परिसर में नई सीवरेज लाइन डालने के लिए 57 लाख रुपए का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है। आगर रोड स्थित चरक भवन की सीवरेज व्यवस्था लंबे समय से चरमराई हुई थी। बताया जा रहा है कि अस्पताल भवन का निर्माण करने वाली ठेका कंपनी ने सीवरेज सिस्टम घटिया गुणवत्ता का लगाया था, जिसके चलते कुछ ही समय में लाइन खराब हो गई। इसके बावजूद संबंधित कंपनी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और पहले ही करोड़ों रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इसका खामियाजा मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ा। नगर निगम द्वारा तैयार योजना के अनुसार चरक अस्पताल से निकलने वाली सीवरेज पाइपलाइन को क्षीरसागर होते हुए रामघाट की ओर जाने वाली मुख्य चैंबर लाइन से जोड़ा जाएगा।

उज्जैन में शराबी पिता ने बेटे का गला घोंटा, मौत

रिश्तेदार बोले- नशे में करता था मारपीट, पुलिस जांच में जुटी

उज्जैन। उज्जैन के पंवासा क्षेत्र में एक शराबी पिता ने कथित तौर पर अपने बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी। यह घटना कांकड़ इलाके में हुई। मृतक की पहचान विशाल सोलंकी (22) के रूप में हुई है, जो पेशे से मिस्त्री था।

विशाल का शव मंगलवार सुबह उसके घर में बाथरूम के बाहर पड़ा मिला। विशाल की मां सावित्रीबाई ने शव देखा और शोर मचाया, जिसके बाद दूसरा बेटा सागर और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

रिश्तेदारों ने पिता पर लगाया आरोप

घटनास्थल से मृतक का पिता राय सिंह सोलंकी गायब था। पुलिस की सूचना पर मृतक के मामा दिनेश और संतोष भी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि आरोपी पिता रायसिंह सोलंकी शराब के नशे में अक्सर घर में मारपीट और झगड़ा करता था।

परिजनों के अनुसार, घटना की रात रायसिंह ने पहले अपनी पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया था। इसके बाद, जब विशाल घर में सो रहा था, तब पिता बाथरूम गया और पीछे से आकर विशाल को बाथरूम में ले जाकर गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मामले की जांच की जा रही

मृतक के मामा संतोष ने बताया कि घरेलू विवाद को लेकर कई बार थाने में शिकायत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी लापरवाही के कारण यह बड़ी घटना हुई।

सीएसपी पुष्पा प्रजापति ने जानकारी दी कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल पाएगा।

शिकायत निराकरण नहीं करने पर सीएमएचओ और नागदा सीएमओ सहित 3 को नोटिस

उज्जैन। सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों का तय समय में करने के कहा जा रहा है। बावजूद कई अधिकारी इसे नजर अंदाज कर रहे हैं। सोमवार को सीएल पत्रों की समीक्षा बैठक में 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों के निराकरण पर ध्यान नहीं देने पर कलेक्टर रौशन सिंह ने सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल, नागदा के प्रभारी सीएमओ रवि गुप्ता और उच्च शिक्षा विभाग की जिला अधिकारी वंदना गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की है।

इनके अलावा बैठक में अनुपस्थित रहने पर उन्हेल नगर परिषद सीएमओ संजय देवड़ा पर भी कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किया। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 11 फरवरी के प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियां करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इसके अलावा महाशिवरात्रि पर्व से जुड़ी तैयारियों को भी वक्त रहते पूरी करने को भी कहा।

स्वास्थ्य की 50 दिन से अधिक लंबित 330 शिकायतें प्रशासन के आंकड़े बताते हैं कि सीएम हेल्पलाइन में स्वास्थ्य विभाग की 50 दिन से अधिक की पेंडिंग शिकायतें करीब 330 हैं। बताया जाता है कि इनमें से अधिकांश शिकायतें ऐसी हैं, जिनका निराकरण किया जाना आसान है लेकिन जिम्मेदार इसमें रूचि नहीं ले रहे हैं। वहीं नागदा नगरीय निकाय की 50, उच्च शिक्षा की 17 तथा विवि की 81 शिकायतें हैं जो कि 50 दिन से अधिक दिनों की पेंडिंग वाली है। खास बात यह कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही करने वाले ये तीनों चिकित्सा-शिक्षा और नगरीय निकाय सीधे तौर पर जनता से जुड़ी सेवाओं वाले विभाग हैं।

उज्जैन में फ्रिज में शार्ट सर्किट से धमाका

योगेश्वरी टेकरी पर मकानों में लगी आग, 2 घर का सामान खाक, लाखों का नुकसान

उज्जैन। उज्जैन में एक फ्रिज में ब्लास्ट हो गया। रविवार शाम करीब 4:30 बजे योगेश्वरी टेकरी क्षेत्र स्थित एक मकान में रखे फ्रिज में शॉर्ट सर्किट के कारण विस्फोट हुआ, जिससे आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग से दो मकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। जबकि आसपास के तीन अन्य मकानों को भी अपनी चपेट में लेलिया।

घटना के समय घरों में कोई मौजूद नहीं था। पड़ोसियों ने धुआं और आग की लपटें देखकर तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

योगेश्वरी टेकरी ऊंचाई पर स्थित होने के कारण दमकल की गाड़ियां घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाईं। दमकल कर्मियों ने नीचे से पाइप बिछाकर पानी पहुंचाया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझने तक चार मकान पूरी तरह जल चुके थे।

आग से सबसे अधिक नुकसान गोरेश्वरी तंवर के मकान को हुआ। उन्होंने बताया, %मेरा पूरा घर जल गया है, कुछ भी नहीं बचा। फ्रिज ब्लास्ट हो गया था, हमें पता ही नहीं चला क्योंकि हम घर पर नहीं थे। तीन-चार घरों में आग लग गई, मेरा घर पूरी तरह जल चुका है।

घर में रखे सोफा, फ्रिज, कपड़े खाक

पड़ोस में रहने वाली नर्मदा कुमावत ने बताया कि घर का सारा सामान, टीवी, फ्रिज, सोफा और कपड़े जलकर राख हो गए। गनीमत रही कि घर में कोई नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

सीमा ललावत का घर भी आग की चपेट में आया है। उन्होंने बताया कि मैं काम पर गई थीं, तभी उनके पति का फोन आया कि पड़ोस में आग लग गई। लौटीं तो सारा सामान जल चुका था।

एसडीएम ने हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट बताया

सीएसपी राहुल देशमुख ने बताया कि आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में फ्रिज में शॉर्ट सर्किट और ब्लास्ट की बात सामने आई है, लेकिन इसकी पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो पाएगी।

एमपी बोर्ड परीक्षा शुरू, केंद्रों के बाहर पुलिस का पहरा

उज्जैन। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा मंगलवार से जिले में शुरू हो गई। पहले दिन कक्षा 12वीं का पहला प्रश्नपत्र हुआ, जिसमें 16 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा को नकलमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा, वहीं केंद्रों के भीतर भी सख्त निगरानी रखी गई। इस बार बोर्ड परीक्षा में पहली बार नई व्यवस्था लागू की गई है। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक परीक्षा कक्ष में मोबाइल जैमर लगाए गए हैं। इससे परीक्षा के दौरान न तो मोबाइल पर बातचीत संभव होगी और न ही इंटरनेट का उपयोग किया जा सकेगा। इस कदम से नकल पर प्रभावी रोक लगाने की उम्मीद की जा रही है। उज्जैन जिले में इस वर्ष कुल 40 हजार 234 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें कक्षा 12वीं के 16 हजार 463 विद्यार्थी हैं, जबकि कक्षा 10वीं के 23 हजार 710 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री ने बताया कि परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई हैं।

महाशिवरात्रि से विक्रमोत्सव-2026 का शुभारंभ

139 दिन चलेगा; ख्यात कलाकार प्रीतम और विशाल मिश्रा की प्रस्तुति भी होगी

उज्जैन। 15 फरवरी, महाशिवरात्रि पर्व से विक्रमोत्सव-2026 की भव्य औपचारिक शुरुआत होगी। इसके तहत 30 जून तक 139 दिनों तक देश और दुनिया में सांस्कृतिक, सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों के आयोजन होंगे, जिनका साक्षी उज्जैन शहर बनेगा।

15 फरवरी को सुप्रसिद्ध संगीतकार प्रीतम द्वारा शिवोऽहम महादेव की आराधना से महोत्सव का शुभारंभ होगा। द्वितीय चरण 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संपन्न होगा। इसके साथ ही सम्राट विक्रमादित्य के नाम से 21 लाख रुपए का एक राष्ट्रीय सम्मान और 5-5 लाख रुपए की राशि वाले तीन राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

139 दिवसीय इस महोत्सव में 41 से अधिक बहुआयामी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इनमें शिवरात्रि मेलों का शुभारंभ, महाकाल वन मेला, कृषि मेला, कलश यात्रा, विक्रम व्यापार मेला, संगीत, नृत्य एवं वादन, शिवोद्य, शिवपुराण, अनादि पर्व, विक्रम नाट्य समारोह, पुतुल समारोह, संगीत का उद्भव वैचारिक समागम, चित्र प्रदर्शनियां, संगोष्ठियां, विक्रमादित्य का न्याय समागम, भारतीय इतिहास समागम, राष्ट्रीय विज्ञान समागम, वेद अंताक्षरी, कोटि सूर्योपासना, शिल्प कला कार्यशाला, प्रकाशन लोकार्पण, पौराणिक फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, बोलियों एवं हिंदी रचनाओं का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन शामिल हैं।

इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मातृशक्ति कवयित्री सम्मेलन, ड्रोन शो तथा ख्यात कलाकार प्रीतम और विशाल मिश्रा की प्रस्तुतियां भी होंगी। सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण देश का सबसे बड़ा सम्मान सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय अलंकरण रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय पौराणिक फिल्म महोत्सव में 25 से अधिक देश होंगे शामिल

पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव 13 से 17 मार्च 2026 तक उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। इसमें 25 से अधिक देश शामिल होंगे। समारोह के दौरान अंग्रेजी, फ्रेंच, हिब्रू, रूसी, स्पेनिश, इटैलियन, डच, मंगोलियन, फिजियन, इंडोनेशियन, अफ्रीकी, नाइजीरियन, सिंहली और ग्रीक भाषाओं सहित 25 से अधिक पौराणिक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस फिल्म समारोह में महाभारत पर केंद्रित फिल्मों का विशेष प्रदर्शन भी किया जाएगा।

पहले दिन सूना-सूना रहा प्लेटफॉर्म, गिने-चुने यात्री ही नजर आए, साफ-सफाई चलती रही

यात्रीगण कृपया ध्यान दें.. 30 से अधिक ट्रेनों का प्लेटफॉर्म बदल दिया गया है

उज्जैन। यात्रियों की सुविधा, आसान आवाजाही और सभी प्लेटफॉर्म के समान उपयोग को लेकर उज्जैन रेलवे स्टेशन पर किया गया बड़ा बदलाव मंगलवार से प्रभावी हो गया। इसके तहत 30 से ज्यादा ट्रेनों के आने-जाने के प्लेटफॉर्म में बदलाव किया गया। इस बदलाव के पहले दिन माधवनगर रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म नंबर 8 सूना-सूना नजर आया। गिने-चुने यात्री ही ट्रेनों का इंतजार करते दिखे। हालांकि, इस दौरान सफाईकर्मी प्लेटफॉर्म की सफाई में जुटे रहे, वहीं टिकट काउंटर की खिड़कियों पर रंगरोगन होता रहा। कई यात्रियों को इस बदलाव की जानकारी नहीं थी, तो वह रेलवे कर्मचारियों से पूछताछ करते रहे। इस परेशानी के चलते बीच-बीच में लाउड स्पीकर के माध्यम से अनाउंसमेंट भी होता रहा।

दरअसल, यात्रियों की सुविधा, आसान आवाजाही और सभी प्लेटफॉर्म्स के समान उपयोग को लेकर पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने मंगलवार से उज्जैन रेलवे स्टेशन पर बड़ा सुधार किया है। इसके तहत स्टेशन पर 30 से अधिक ट्रेनों के आने-जाने के प्लेटफार्म में बदलाव किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्लेटफार्म नंबर 1 पर बढ़ते यात्रियों के दबाव को कम करना, क्राउड मैनेजमेंट को बेहतर बनाना तथा स्टेशन संचालन को व्यवस्थित एवं सुचारू बनाना है। इस बदलाव से विशेष रूप से सीनियर सिटीजन, महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांग पैसेंजरों को आसानी होगी क्योंकि अब उन्हें स्टेशन के अंतिम छोर तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कई ट्रेनों को बीच के प्लेटफॉर्म्स से प्लेटफार्म नंबर 1 अथवा 8 पर शिफ्ट किया है जिससे यात्रियों को प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में आसानी रही। इस नई व्यवस्था से प्लेटफार्म क्र.1 तथा उससे जुड़े सर्कुलेटिंग एरिया में धीरे-धीरे भीड़भाड़ एवं कंजेशन कम होगा, साथ ही अब प्लेटफार्म 8 की उपयोगिता भी बढ़ेगी।

एक नजर इन पर भी

सफाई कर्मचारी सुबह से प्लेटफॉर्म की सफाई में जुटे रहे। इस दौरान प्लेटफॉर्म चमचमाता नजर आया।

यात्रियों के बैठने के लिए पूरे प्लेटफॉर्म पर स्टील की बैंचेस लगी हैं जहां जो भी यात्री पहुंचे वह बैठकर ट्रेनों के आने का इंतजार करते रहे।

माधवनगर रेलवे स्टेशन की मुख्य बिल्डिंग स्थित टिकट काउंटर की खिड़कियों का रंगरोगन होता रहा।

पानी के लिए सड़कों पर लोग, शंकरपुर में चक्काजाम

सूचना पर पहुंची पंवासा पुलिस और नगर निगम अधिकारी, समझाइश के बाद खत्म करवाया जाम

उज्जैन। पानी के लिए मंगलवार को शंकरपुर में लोग सड़कों पर उतर आए। उन्होंने ना सिर्फ पार्षद के घर के बाहर बैठकर धरना प्रदर्शन किया बल्कि चक्काजाम भी कर दिया जिससे वाहन चालकों को परेशान होना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि पिछले पांच-छह दिनों से नलों में पानी नहीं आ रहा है। सूचना पर पंवासा व नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद प्रदर्शन खत्म करवाया।

दरअसल, पंवासा क्षेत्र के शंकरपुर में पिछले पांच-छह दिनों से नलों में पानी नहीं आ रहा है। मंगलवार को समस्या इतनी विकराल हो गई कि वहां के रहवासियों का धैर्य जवाब दे गया और सुबह उन्होंने धरना प्रदर्शन कर दिया। रहवासी बड़ी संख्या में क्षेत्रीय पार्षद सतीश मालवीय के घर के बैठ

गए और जमकर नारेबाजी की। इसके बाद उन्होंने चक्काजाम कर दिया। इससे दोनों ओर वाहनों के पहिए थम गए।

पौन घंटे तक चला

इधर, चक्काजाम की सूचना मिलते ही पंवासा पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश दी लेकिन वह नहीं माने, इसके बाद नगर निगम के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया। अधिकारियों ने आज ही समस्या के समाधान करने की बात कहते हुए प्रदर्शन खत्म करने की समझाइश दी। इसके बाद नाराज लोगों ने चक्काजाम खत्म कर दिया।

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डबरा की घटना में मृतक के परिजन को 4 लाख रुपए एवं गंभीर तीन घायलों को एक-एक लाख रुपए देने के दिये निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को ग्वालियर जिले के डबरा में हुई दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए दुर्घटना में एक मृतक के परिजन को 4 लाख रुपए एवं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एक ङ्क एक लाख रुपए की सहायता देने के निर्देश दिये है। साथ ही गंभीर सभी घायलों का निःशुल्क उपचार कराने के निर्देश भी दिए।

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ग्वालियर स्थित एप्पल अस्पताल एवं जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुँचीं और घटना में घायल मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि घायलों का उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इसके पश्चात डबरा पहुंचकर नवग्रह शक्ति पीठ पर आयोजित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया एवं अधिकारियों को आवश्यक पुख्ता प्रबंध करने के दिशा-निर्देश दिए।

चोरी की बाइक पर सवार दो युवकों के कब्जे से 80 लीटर अवैध शराब जब्त

भोपाल/राजगड़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में सुठालिया थाना पुलिस ने सोमवार की रात मधुसूदनग रो स्थित मां वैष्णोंदेवी मंदिर के सामने से घेराबंदी कर बाइक सवार दो युवकों को पका और उनके कब्जे से 80 लीटर अवैध शराब जब्त की, पूछताछ पर आरोपितों ने बाइक महाराजा होटल सुठालिया के सामने से चोरी करना बताई। थाना प्रभारी अनिल राहोरिया ने मंगलवार को बताया कि मुखबिर की सूचना पर बीती रात मधुसूदनग रो स्थित मां वैष्णोंदेवी मंदिर के सामने से घेराबंदी कर बाइक सवार विशाल (20) पुत्र मनोज अहिरवार निवासी सांवरिया गार्डन के समीप मधुसूदनग और दिलीप (21)पुत्र मिस्त्रीलाल अहिरवार निवासी गणेशपुरा मौहल्ला मधुसूदनग को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से आठ हजार रुपए की 80 लीटर अवैध शराब जब्त की। पूछताछ पर आरोपित दिलीप अहिरवार ने बताया कि बिना नंबर की बाइक 4 फरवरी को महाराजा होटल सुठालिया के सामने से विशाल अहिरवार और गोलू मेहर के साथ मिलकर चोरी की गई थी। उक्त बाइक की कीमत 60 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत में पेश किया।

लैंगिक अपराध में कथन बदलने पर डीएनए रिपोर्ट के आधार पर आरोपित को आजीवन कारावास की सजा

भोपाल/राजगड़। विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट राजगड़ द्वारा प्रकरण में पीड़ित और साक्षियों के बदलने के बाद डीएनए रिपोर्ट के आधार पर आरोपित को आजीवन कारावास एवं 11 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। प्रकरण में सहायक अभियोजन निदेशक आलोक श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में शासन की ओर से पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजन अधिकारी मथुरालाल ग्वाल ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि 14 फरवरी 2025 की रात 9 बजे कालीपीठ निवासी नाबालिग किशोरी गांव की डेयरी से दूध लेकर घर लौट रही थी तभी आरोपित बाइक से आया और उसे जबरन बाइक पर बैठाकर गौशाला के पीछे ले गया, जहां उसने गलत काम किया साथ ही किसी से कहने की बात पर जान से मारने की धमकी देते हुए बाइक से घर के सामने छोड़ गया। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपित के खिलाफ धारा 137(2), 87, 64(1), 65(1), 351(3) बीएनएस, 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। विवेचना के दौरान पीड़ित के वीडियोग्राफी कथन लेखबद्ध किए गए साथ ही मेडिकल परीक्षण किया गया और घटना के समय पहने गए कपड़े जब्त कर डीएनए सेंपलिंग की कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की। विचारण के दौरान न्यायालय ने अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर अभियुक्त जितेन्द्र वर्मा को आजीवन कारावास की सजा एवं 11 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रकरण में पीड़ित और साक्षीगण आरोपित के प्रभाव में आकर न्यायालय में अपने बयानों से पलट गए।

गांधी मेडिकल कॉलेज की MBBS छात्रा की संदिग्ध मौत, बाथरूम में मिला शव

कोहेफिजा के निजी छात्रावास में हुई घटना, पास मिली एसिड की बोतल; पढ़ाई के तनाव में होने की आशंका, पुलिस जांच जारी

भोपाल। राजधानी भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। 19 वर्षीय रोशनी, जो अलीराजपुर जिले की रहने वाली थी, कोहेफिजा क्षेत्र स्थित एक निजी छात्रावास में पेइंग गेस्ट के रूप में रहकर पढ़ाई कर रही थी। मंगलवार सुबह उसका शव छात्रावास के बाथरूम में मिला। घटनास्थल के पास एक खाली एसिड की बोतल भी पाई गई, जिससे आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, रोशनी ने इसी साल अक्टूबर में गांधी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। वह पढ़ाई को लेकर काफी गंभीर थी, लेकिन बताया जा रहा है कि पढ़ाई का दबाव उस पर लगातार बढ़ रहा था। साथ रहने वाली छात्राओं के अनुसार, वह कई बार अपनी परेशानी और तनाव की बात उनसे साझा करती थी और कहती थी कि उसे विषय समझने में कठिनाई हो रही है।

मंगलवार सुबह जब रोशनी तय समय पर कॉलेज जाने के लिए कमरे से बाहर नहीं निकली, तो साथ रहने वाली छात्राओं को चिंता हुई। उन्होंने कई बार आवाज दी और फोन भी किया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद पीजी के गार्ड को बुलाया गया। दरवाजा तोड़कर जब अंदर देखा गया, तो बाथरूम में रोशनी बेसुध हालत में पड़ी मिली। पास ही एक खाली एसिड की बोतल भी पड़ी थी।

घटना की जानकारी तुरंत कॉलेज प्रबंधन और पुलिस को दी गई। रोशनी को आनन-फानन में सुबह करीब 8:30 बजे हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी विभाग ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोहेफिजा थाना प्रभारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रोशनी एक सप्ताह पहले ही अपने घर से वापस लौटी थी। वह शांत और गंभीर स्वभाव की बताई जा रही है। पुलिस को उसके मोबाइल फोन से कुछ ऐसे संदेश भी मिले हैं, जो उसने अपने परिजनों को भेजे थे। इन संदेशों से संकेत मिलता है कि वह पढ़ाई को लेकर मानसिक दबाव में थी और लगातार मेहनत के बावजूद उसे विषय समझ नहीं आ रहे थे।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल की मरच्यूरी भेज दिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है और अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

इस घटना ने मेडिकल छात्रों पर बढ़ते पढ़ाई के दबाव और मानसिक तनाव के मुद्दे को एक बार फिर सामने ला दिया है। कॉलेज प्रबंधन और छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों के बीच इस घटना को लेकर गहरा दुख और चिंता का माहौल है। वहीं, पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी हो सकता है।

मध्यप्रदेश पुलिस की ऑपरेशन मुस्कान के तहत प्रभावी कार्यवाही

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा महिला एवं बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संचालित ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपहृत एवं गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं की खोज हेतु निरंतर, समन्वित एवं तकनीकी रूप से सशक्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत 5 दिन में पुलिस टीम ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से27 नाबालिग/गुमशुदा बालक-बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। जिले में ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत कुल 05 नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी की गई है। कोतवाली थाना क्षेत्र में अपहृत नाबालिग बालक को मात्र 10 घंटे के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। वहीं थाना तेंदुआपुलिस ने दो नाबालिक बालिका एवं थाना सुभाषपुरा पुलिस ने एक अपहृत नाबालिग बालिका को जयपुर, राजस्थान से सकुशल दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया।

अंग्रेजी के आसान पेपर से शुरू हुई एमपी बोर्ड 12वीं की परीक्षा, छात्रों के चेहरों पर खुशी

सिलेबस से आए प्रश्न, 80-90 प्रतिशत अंक की उम्मीद; नकल रोकने सख्त इंतजाम, अगला पेपर फिजिक्स का

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत सोमवार को अंग्रेजी विषय के पेपर के साथ हुई। पहला ही पेपर छात्रों के लिए राहत भरा साबित हुआ। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले अधिकांश विद्यार्थियों ने बताया कि अंग्रेजी का प्रश्नपत्र बेहद आसान था और पूरी तरह सिलेबस से ही पूछा गया था। आसान पेपर मिलने से छात्रों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

परीक्षा देकर बाहर आए विद्यार्थियों ने बताया कि प्रश्नपत्र में कोई भी कठिन या चौंकाने वाला सवाल नहीं था। जो कुछ उन्होंने पढ़ाई के दौरान तैयार किया था, उसी आधार पर पेपर बना था। कई छात्रों ने कहा कि वे 80 से 90 प्रतिशत तक अंक आने की उम्मीद कर रहे हैं। कुछ विद्यार्थियों ने तो यह भी कहा कि पेपर उम्मीद से ज्यादा आसान रहा, जिससे उन्हें आगे की परीक्षाओं को लेकर सकारात्मक ऊर्जा मिली है।

अंग्रेजी के आसान पेपर ने छात्रों के तनाव को भी काफी हद तक कम किया है। परीक्षा केंद्रों के बाहर छात्रों और अभिभावकों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। अब विद्यार्थियों का ध्यान अगले पेपर पर है। एमपी बोर्ड 12वीं का अगला पेपर फिजिक्स का होना है, जिसके लिए छात्र तुरंत तैयारी में जुट गए हैं।

इस साल एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में कुल 16 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं। इनमें लगभग 7 लाख विद्यार्थी 12वीं के हैं। इतनी बड़ी संख्या में परीक्षाएं सुचारु रूप से कराने के लिए शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

नकल रोकने के लिए इस बार विशेष सतर्कता बरती जा रही है। हर जिले में चार-चार उड़नदस्ते (फ्लाइंग स्क्वॉड) तैनात किए गए हैं, जो लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। कई संवेदनशील केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है। कुछ केंद्रों की मॉनिटरिंग सीधे भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को तुरंत रोका जा सके।

प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को लेकर भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। थानों से परीक्षा केंद्रों तक प्रश्नपत्रों को पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं और वीडियोग्राफी कराई जा रही है। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ पर भी रोक लगाई गई है, ताकि परीक्षा का माहौल शांत और अनुशासित बना रहे।

शिक्षा विभाग ने समय को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। सभी परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। छात्रों को सुबह 8:30 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जा रहा है। इसके बाद आने वाले छात्रों को प्रवेश नहीं मिल रहा, इसलिए विद्यार्थियों को समय से पहले केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है।

राजधानी भोपाल में भी परीक्षा को लेकर व्यापक व्यवस्था की गई है। यहां 12वीं के 26 हजार से अधिक और 10वीं के 30 हजार से ज्यादा छात्र परीक्षा दे रहे हैं। इसके लिए शहर में कुल 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पहले ही दिन अंग्रेजी का पेपर आसान रहने से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब आगामी विषयों की तैयारी पूरे उत्साह के साथ कर रहे हैं।

मैनिट में पढ़ाई का बदला सिस्टम, विदेश में पढ़ाई और स्टार्टअप पर भी मिलेगा अकादमिक क्रेडिट

NEP-2020 के तहत बड़े शैक्षणिक सुधार लागू; दो सेमेस्टर तक देश-विदेश में पढ़ाई, इंडस्ट्री एक्सपर्ट पढ़ाएंगे सिलेबस

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल में तकनीकी शिक्षा का स्वरूप अब बदलने जा रहा है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 (ह्श्वक्र-2020) के तहत संस्थान ने कई बड़े शैक्षणिक सुधार लागू किए हैं, जिनका सीधा लाभ छात्रों को मिलेगा। अब मैनिट के विद्यार्थी देश और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई कर सकेंगे और वहां अर्जित किए गए क्रेडिट्स को अपनी डिग्री में जोड़ सकेंगे।

नई व्यवस्था के तहत छात्रों को अधिक लचीला और व्यावहारिक शिक्षा अनुभव देने पर जोर दिया गया है। मैनिट के छात्र दो सेमेस्टर तक विदेशी या देश के अन्य संस्थानों में अध्ययन कर सकेंगे। वहां प्राप्त अकादमिक क्रेडिट्स मैनिट की डिग्री में शामिल किए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय

स्तर की पढ़ाई, नई तकनीकों और अलग शैक्षणिक माहौल का अनुभव मिलेगा, जो उनके करियर के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा।

संस्थान ने पारंपरिक रटने वाली पढ़ाई से हटकर सिलेबस को अधिक व्यावहारिक और रोजगारोन्मुख बनाने का फैसला किया है। अब पाठ्यक्रम का एक हिस्सा इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा पढ़ाया जाएगा। इससे छात्रों को उद्योग की वास्तविक जरूरतों और कार्यशैली की समझ मिलेगी, जो उन्हें नौकरी के लिए बेहतर तरीके से तैयार करेगी।

मैनिट ने यह भी सुनिश्चित करने की योजना बनाई है कि कोई भी छात्र पढ़ाई में पीछे न रह जाए। इसके लिए कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष रेमेडियल क्लासेस शुरू की जाएंगी। इन कक्षाओं का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक कमजोरियों को दूर करना और उन्हें मुख्यधारा में बनाए रखना है, ताकि हर छात्र को सीखने का समान अवसर मिल सके।

संस्थान अब केवल नौकरी के लिए तैयार करने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि छात्रों को उद्यमिता की ओर भी प्रेरित कर रहा है। यदि कोई छात्र स्टार्टअप शुरू करता है और वह तय टेक्नोलॉजी रेडिनेस लेवल (ञ्जक्र) हासिल कर लेता है, तो उसे इसके लिए अकादमिक क्रेडिट दिए जाएंगे। यानी अब इनोवेशन और स्टार्टअप भी पढ़ाई का हिस्सा माने जाएंगे।

इन बदलावों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे छात्रों को सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मॉडल से छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ेगी और वे नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित होंगे।

मैनिट द्वारा लागू किए जा रहे ये सुधार तकनीकी शिक्षा को अधिक लचीला, आधुनिक और देश की जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माने जा रहे हैं। आने वाले समय में यह व्यवस्था अन्य तकनीकी संस्थानों के लिए भी एक उदाहरण बन सकती है।

मध्य प्रदेश में सर्दी से दो दिन राहत, फिर लौटेगी ठंड, फरवरी में जारी रहेगा मौसम में उतार-चढ़ाव

पहाड़ों में बर्फ पिघलते ही सर्द हवाएं बढ़ाएंगी ठिठुरन

भोपाल। मध्य प्रदेश में फिलहाल अगले दो दिन तक कड़ाके की ठंड से राहत रहेगी। इस दौरान तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। हालांकि, यह राहत ज्यादा दिन नहीं टिकेगी। पहाड़ी इलाकों से गुजर रहे साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कमजोर पड़ने और बर्फ पिघलने के बाद प्रदेश में एक बार फिर उत्तर से सर्द हवाएं चलेंगी, जिससे ठिठुरन बढ़ेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, फरवरी महीने में मौसम का मिजाज लगातार बदलता रहेगा। अभी बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और बारिश के आसार बने हुए हैं। इसका असर यह होगा कि मध्य प्रदेश में अगले दो दिनों तक दिन के तापमान में इजाफा होगा। बीते सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिनभर तेज धूप खिली रही, जिससे अधिकतम तापमान बढ़ा। हालांकि रात और अलसुबह ठंड का असर बना रहेगा, भले ही पारे में हल्की बढ़ोतरी हो।

क्यों बदलेगा मौसम

मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा सिस्टम के गुजरने और पहाड़ों की बर्फ पिघलने के बाद मौसम एक बार फिर करवट लेगा। 13, 14 और 15 फरवरी को तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और ठंड का असर बढ़ेगा। इस दौरान उत्तर से आने वाली ठंडी हवाएं भी प्रदेश को प्रभावित करेंगी। इससे पहले प्रदेश में 11 फरवरी को अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। दिन में तेज धूप खिली रहेगी। जबकि 12 फरवरी को तापमान 3 से 4 डिग्री बढ़ोत्तरी की संभावना है। ठंड का असर मुख्य रूप से रात और अलसुबह रहेगा।

13 शहरों में 10 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा

सोमवार रात प्रदेश के 13 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। सबसे ठंडा क्षेत्र कटनी का करौंदी रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री रहा। शहडोल के कल्याणपुर और खजुराहो में 6.4 डिग्री, पचमढ़ी में 7.4, अमरकंटक में 7.8, दतिया में 8.1, रीवा में 8.3, राजगढ़ में 8.6, उमरिया में 8.8, शिवपुरी में 9, मंडला में 9.4, मलाजखंड में 9.5 और नौगांव में 9.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

एमपी में निगम-मंडलों में नई नियुक्तियों की तैयारी अंतिम दौर में

भाजपा संगठन ने प्रक्रिया लगभग पूरी की, जल्द हो सकता है जिम्मेदारियों का ऐलान; सक्रिय कार्यकर्ताओं को मिल सकती है बड़ी भूमिका

भोपाल। मध्य प्रदेश में निगम और मंडलों में नई नियुक्तियों को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच अब प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। भाजपा संगठन ने इन नियुक्तियों की तैयारी लगभग पूरी कर ली है और जल्द ही नामों का ऐलान होने की संभावना जताई जा रही है। माना जा रहा है कि इन नियुक्तियों के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं को बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिससे संगठन और सरकार के बीच तालमेल और मजबूत होगा।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली से

लौटने के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर दिया है। नियुक्तियों से पहले नेताओं और कार्यकर्ताओं के काम, अनुभव और संगठन के प्रति उनके योगदान की विस्तृत समीक्षा की गई है। पार्टी का खास फोकस उन कार्यकर्ताओं पर है, जिन्होंने लंबे समय से जमीनी स्तर पर काम किया है और संगठन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। ऐसे कर्मठ और सक्रिय कार्यकर्ताओं को निगम-मंडलों में जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है।

हाल ही में प्रदेश संगठन ने संभाग और जिला प्रभारियों की नियुक्ति की थी, जिसके बाद से निगम और मंडलों में होने वाली नियुक्तियों को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। अब माना जा रहा है कि यह प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी और सूची जारी की जा सकती है। इससे पार्टी के भीतर लंबे समय से जिम्मेदारी की उम्मीद लगाए बैठे कार्यकर्ताओं को अवसर मिल सकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन नियुक्तियों से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। साथ ही सरकार और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी मदद मिलेगी। निगम और मंडलों के माध्यम से योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में भी तेजी आने की उम्मीद है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ इस मुद्दे पर कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में संभावित नामों पर चर्चा की गई है और संतुलन बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है, ताकि क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों का ध्यान रखा जा सके।

सूत्रों की मानें तो विधानसभा चुनाव में कम अंतर से हारने वाले कुछ नेताओं और हाल ही में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नेताओं को भी निगम-मंडलों में स्थान मिल सकता है। इससे पार्टी में नए और पुराने दोनों तरह के नेताओं को साथ लेकर चलने की रणनीति स्पष्ट दिखाई दे रही है।

इधर, पार्टी स्तर पर वैचारिक कार्यक्रमों और बैठकों का दौर भी लगातार जारी है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इन नियुक्तियों को आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठन विस्तार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कुल मिलाकर, निगम और मंडलों में होने वाली यह नियुक्तियां भाजपा संगठन के लिए एक बड़ा कदम मानी जा रही हैं। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि किन-किन कार्यकर्ताओं और नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं और यह प्रक्रिया कब तक पूरी होती है।

बजट सत्र से पहले कांग्रेस की रणनीति तेज, 16 फरवरी को विधायक दल की अहम बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के आगामी बजट सत्र से पहले प्रदेश की सियासत गरमाने लगी है। विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार को घेरने की रणनीति तेज कर दी है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 16 फरवरी को कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिसमें सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों और सरकार को घेरने की रूपरेखा तय की जाएगी। यह बैठक भोपाल स्थित 74 बंगला के बी-12 (ए) में शाम 7:30 बजे आयोजित होगी। इसमें प्रदेशभर के कांग्रेस विधायक शामिल होकर जनहित से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर मंथन करेंगे। उमंग सिंघार ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस इस बार बजट सत्र में पूरी तैयारी के साथ उतरेगी और भाजपा सरकार की नीतियों तथा कामकाज को लेकर तीखे सवाल उठाएगी। बैठक में प्रदेश के कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। इनमें बढ़ता कर्ज, इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों का मामला, किसानों को समर्थन मूल्य, ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, आदिवासी और दलितों पर बढ़ते अत्याचार तथा प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति प्रमुख रूप से शामिल हैं। कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर सरकार को सदन में घेरने की रणनीति बना रही है।

विधानसभा का यह सत्र 16 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू होगा और करीब 19 दिनों तक चलेगा।

संपादकीय

लोकतंत्र के सर्वोच्च आसन पर उठते सवाल

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह वह आसन है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। संविधान में परिभाषित है। लोकसभा का अध्यक्ष और राज्य सभा का सभापति पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन का संचालन करेगा। दोनों ही सदन में सभी सदस्यों के हितों के संरक्षण की जिम्मेदारी अध्यक्ष और सभापति की होती है। हालिया घटनाक्रम ने इसी धारणा को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी करना कोई साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। बोलने के पहले तरह-तरह से उन्हें रोका जा रहा है। सदन के अंदर सदस्यों को बोलने की जो स्वतंत्रता थी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाधित किया जा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जैसे संवैधानिक और परंपरागत अवसर पर भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलना वहीं सत्ता पक्ष के एक सदस्य को बोलने का अवसर दिया गया। इसने असंतोष को आर और पार की लड़ाई में लाकर खड़ा कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष को खुली छूट दी जाती है। जबकि विपक्ष को सवालों ओर नियमों का हवाला देकर बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष यह कहने से नहीं चूक रहा है, कि आसंदी द्वारा सत्ता पक्ष के लिए अलग, विपक्ष के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का यह तर्क कि 'सदन नियम और परंपरा से चलेगा' अपने आप में सही है, लेकिन सवाल यह है, कि क्या ये नियम सबके लिए समान रूप से लागू हो रहे हैं? पिछले 10 वर्षों में विपक्ष द्वारा जब भी कोई स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष को दिया गया, किसी को मंजूरी नहीं दी गई। जबकि परंपराएं और लोकसभा की कार्यवाही में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां पर विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव में बोलने का अवसर दिया गया। जब सत्ता पक्ष कांग्रेस को 'गद्दार' कहता है, तब वह सदन की मर्यादा है? और जब विपक्ष उसका जवाब देना चाहता है, तब उसे 'आउट ऑफ प्रोसीडिंग' बताकर रोक दिया जाता है। तो यह किस तरह की निष्पक्षता है? विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष का व्यवहार निष्पक्ष एवं मध्यस्थता वाला नहीं है। ऐसा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। आसंदी का व्यवहार सत्ता पक्ष के रक्षक का है। पिछले वर्षों में जिस तरह से बिल और कानूनों को बिना किसी चर्चा के हो हल्ले में पास कर दिया गया। यही कारण है कि विपक्ष ने अब अविश्वास प्रस्ताव जैसा असाधारण कदम उठाने का मन बनाया है। पिछले 76 सालों में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तीन बार लाया गया है। चौथी बार ऐसी स्थिति बनना अपने आप में असाधारण और चिंताजनक है।

संविधान के अनुसार, अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ लिखित नोटिस आवश्यक होता है। यह प्रस्ताव तभी लाया जाता है जब विपक्ष यह मान ले कि अध्यक्ष सदन की निष्पक्षता बनाए रखने में असफल हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर एकमत हैं। महिला सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी नाराजी जताई है। जो यह दर्शाता है, असंतोष केवल एक दल अथवा एक वर्ग तक सीमित नहीं है। इस पूरे विवाद का सबसे गंभीर पहलू यह है, पिछले कई वर्षों में सदन के सत्र छोटे होते जा रहे हैं। संसद की कार्यवाही बार-बार ठप्प होना अब सामान्य हो गया है। इसका लाभ उठा कर सत्ता पक्ष बिल पास कर लेती है। बजट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय बार-बार कार्यवाही स्थगित होना, अध्यक्ष द्वारा सत्ता पक्ष और विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जाता है। जबकि नियमों के अनुसार विपक्ष की आवाज को अध्यक्ष का संरक्षण मिलना चाहिए। आसंदी की इस कार्रवाई से लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करता है। इतिहास गवाह है, जब-जब अध्यक्ष ने निष्पक्षता दिखाई, तब-तब विपक्ष ने भी मर्यादा का पालन किया है। जब कुर्सी की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ता है। वर्तमान में स्थिति यहां तक पहुंच गई है, अध्यक्ष का आसन राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। वर्तमान स्थिति केवल ओम बिरला या लोकसभा अध्यक्ष के पद या बजट सत्र की नहीं है, यह उस संविधान एवं लोकतांत्रिक परंपरा की परीक्षा है जिसे भारत के संसदीय लोकतंत्र ने कई दशकों में गढ़ा गया है। यदि अध्यक्ष की निष्पक्षता पर विश्वास उठता है, तो केवल विपक्ष नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संविधान भी कमजोर होता है। आवश्यकता इस बात की है, लोकसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा को पुनः स्थापित करें। सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान नियम और समान अवसर सुनिश्चित करें। विपक्ष के पास बहुमत नहीं होता है इसलिए उसे संरक्षण की जरूरत होती है। सत्ता पक्ष की दादागिरी से अध्यक्ष ही विपक्ष को संरक्षण दे सकता है। लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास के सहारे चलता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर आवाम की आवाज को सदन में लेकर आते हैं। सत्ता पक्ष से ज्यादा वोट विपक्ष के पास होते हैं। विपक्ष बटा हुआ होता है, इसलिए सत्ता पक्ष राज करता है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकसभा अध्यक्ष को इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है। लोकसभा के अध्यक्ष भले बहुमत से चुने जाते हों, लेकिन अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभी सदस्यों के अध्यक्ष होते हैं।

– सनत जैन

जब मार्टिन लूथर किंग जूनियर चले गांधीजी के पदचिन्हों पर

रमेश चंद शर्मा

यात्रा की 67वीं वर्षगांठ पर विशेष

मार्टिन लूथर किंग जूनियर 15 जनवरी, 1929 -- 04 अप्रैल, 1968 भारत में तीर्थ यात्रा - 10 फरवरी से 10 मार्च, 1959

मेरा एक सपना है भाषण के लिए प्रसिद्ध, नागरिक अधिकारों का पक्षधर, बैपटिस्ट पादरी, अहिंसा में विश्वास रखने वाला तीस वर्ष का एक अमरीकी नागरिक अपनी पत्नी के साथ सत्य, अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के देश में उन स्थानों, कार्यों को देखने के लिए पधारे, जो गांधीजी से संबंधित रहे। अपनी इस यात्रा को उस महापुरुष ने तीर्थ यात्रा का नाम दिया। केन्द्रीय गांधी स्मारक निधि द्वारा निमंत्रित यह व्यक्ति और कोई नहीं स्वयं रंगभेद, असमानता के विरुद्ध अमेरिका में अहिंसक आंदोलन चलाने वाले मार्टिन लूथर किंग जूनियर थे, जो अपनी पत्नी श्रीमती कोरेटा स्कॉट किंग के साथ भारत आए थे। 10 फरवरी से 10 मार्च, 1959 तक यह यात्रा हुई। दिल्ली से शुरू कर बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश होते हुए फिर दिल्ली।

श्रीमती सुचेता कृपलानी, उपाध्यक्ष एवं जी रामचंद्रन, मंत्री, गांधी स्मारक निधि ने हवाई अड्डा पर मेहमानों का स्वागत किया।

तीर्थ यात्रा की समाप्ति पर बहुत ही भावनात्मक ढंग से विदाई से पूर्व मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने दिल्ली में यह संदेश दिया, जो आज भी बेहद प्रासंगिक है।

भारत की हमारी बहुत ही छोटी तीर्थयात्रा दुख की बात है कि खत्म हो गई है। मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मेरे, मेरी पत्नी और डॉ. रेडिक के लिए अपने दरवाजे और दिल खोले। सरकार के अंदर और बाहर के नेताओं, संगठनों --- खासकर गांधी स्मारक निधि और क्वेकर सेंटर --- और कई घरों और परिवारों ने हमारे छोटे से प्रवास को सुखद और ज्ञानवर्धक बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिशें की है। हमने इस यात्रा से बहुत कुछ सीखा है। हम इतने नासमझ नहीं हैं कि यह मान लें कि हम भारत को जानते हैं यह एक विशाल उपमहाद्वीप है, जिसमें इसके सभी लोग, समस्याएँ, विरोधाभास और उपलब्धियाँ हैं। हालाँकि, क्योंकि हमसे हमारे विचारों के बारे में पूछा गया है, इसलिए हम एक या दो सामान्य बातें कहना चाहेंगे: सबसे पहले, हमें लगता है कि गांधी की भावना आज कुछ लोगों के विश्वास से कहीं ज़्यादा मजबूत है। न केवल उनके साथियों और सहयोगियों का सीधा और अप्रत्यक्ष प्रभाव है, बल्कि महात्मा के पत्रों और अन्य लेखों, तस्वीरों, स्मारकों, गांधी स्मारक निधि के काम और संत विनोबा भावे के नेतृत्व वाले आंदोलन को संरक्षित करने के लिए संगठित प्रयास भी किए जा रहे हैं। ये कुछ उदाहरण हैं कि जिनसे गांधीजी भारत के लोगों के दिलों में हमेशा के लिए बसे रहेंगे। इसके अलावा, कई सरकारी अधिकारी जो गांधी का अक्षरशः पालन नहीं करते, वे भी उनकी भावना को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं पर लागू करते है।

दूसरा, मैं भारत के लोगों और सरकार से एक अपील करना चाहता हूँ। विश्व शांति का मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है कि मुझे एक सुझाव देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो विनोबाजी के साथ हमारी बातचीत के दौरान मेरे मन में आया। दुनिया के शांतिप्रिय लोग अभी तक मेरे अपने देश, अमेरिका और सोवियत रूस को डर खत्म करने और खुद को निशस्त्र करने के लिए मनाने में सफल नहीं हुए हैं। दुर्भाग्य से, अभी तक अमेरिका और सोवियत संघ ने ऐसा करने के लिए विश्वास और नैतिक साहस नहीं दिखाया है। विनोबाजी ने कहा है कि भारत या कोई भी अन्य राष्ट्र जिसके पास विश्वास और नैतिक साहस है, वह कल ही, यहाँ तक कि एकतरफा भी, खुद को निशस्त्र कर सकता है।

हो सकता है कि जिस तरह भारत को नेतृत्व करना पड़ा और दुनिया को दिखाना पड़ा कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता अहिंसक तरीके से हासिल की जा सकती है, उसी तरह भारत को नेतृत्व करना पड़े और सार्वभौमिक निरस्त्रीकरण का आह्वान करना पड़े और अगर कोई अन्य राष्ट्र तुरंत उसके साथ शामिल नहीं होता है, तो भारत को एकतरफा रूप से खुद को निरस्त्रीकरण के लिए घोषित कर देना चाहिए। साहस का ऐसा कार्य महात्मा की भावना का एक बड़ा प्रदर्शन होगा और यह बाकी दुनिया को भी ऐसा करने के लिए सबसे बड़ा प्रोत्साहन होगा। इसके अलावा, जो भी देश ऐसा साहसी कदम उठाएगा, वह अपने आप ही दुनिया के लोगों का समर्थन हासिल कर लेगा, जिससे कोई भी हमलावर इंसानियत के गुस्से को मोल लेने का जोखिम उठाने से हतोत्साहित होगा।

यह संदेश आज भी देश और दुनिया के लिए बहुत ही प्रासंगिक एवं जरुरी है। इस संदेश में आज की समस्याओं, कठिनाइयों, हिंसा, शस्त्रों की होड़ में डूबी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण रास्ता, राहत नजर आती है। इस यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात अनेक प्रमुख लोगों से हुई। जिनमें सर्वोदय नेता संत बाबा विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण, राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद, उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, राजाजी राजगोपालचारी, दादा जे बी कृपलानी, डॉ जाकिर हुसैन, काका कालेलकर, यू एन ढेबर, मोरारजी देसाई, राजकुमारी अमृत कौर, डॉ सुशीला नैयर, प्यारे लाल नैयर, डॉ आर आर दिवाकर, जी रामचंद्रन, चीनी चिंतक प्रो तान युन शान, निर्मल कुमार बोस, डॉ सौन्द्रम रामचंद्रन, नंबूदरी पाद, शांति लाल शाह, पूर्व राजदूत जी एल मेहता आदि शामिल रहे।।

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

विश्व दलहन पर विशेष

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।

दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।

पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है।

सुविचार

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है

– चाणक्य

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है

– जॉर्ज वीनवर्ग

प्रसंग

प्रसन्न रहने की कला

एक संत सदा प्रसन्न रहते थे। वह हर बात पर ठहाके लगाते रहते। कुछ चोरों को यह बात अजीब लगती थी। वे समझ नहीं पाते थे कि कोई व्यक्ति हर समय इतना खुश कैसे रह सकता है। चोरों ने यह सोच कर कि संत के पास अपार धन होगा, उनका अपहरण कर लिया। वे उन्हें दूर जंगल में ले गए और बोले, 'सुना है संत कि तुम्हारे पास काफी धन है, तभी इतने प्रसन्न रहते हो। सारा धन हमारे हवाले कर दो वरना तुम्हारी जान की खैर नहीं।'

संत ने एक-एक कर हर चोर को अलग-अलग बुलाया और कहा, 'मेरे पास सुखदा मणि है मगर मैंने उसे तुम चोरों के डर से जमीन में गाड़ दिया है। यहां से कुछ ही दूर पर वह स्थान है। अपनी खोपड़ी के नीचे चंद्रमा की छाया में खोदना, शायद मिल जाए।' यह कहकर संत एक पेड़ के नीचे सो गए। सभी चोर अलग-अलग दिशा में जाकर खोदने लगे। जरा सा उठते चलते तो छाया भी हिल जाती और उन्हें जहां-तहां खुदाई करनी पड़ती। रात भर में सैकड़ों छोटे-बड़े गड्ढे बन गए पर कहीं भी मणि का पता नहीं चला। चोर हताश होकर लौट आए और संत को भला-बुरा कहने लगे। संत हंस कर बोले, 'मूर्खों, मेरे कहने का अर्थ समझो। खोपड़ी तले सुखदा मणि छिपी है अर्थात उस में श्रेष्ठ विचारों के कारण मनुष्य प्रसन्न रह सकता है। तुम भी अपना दृष्टिकोण बदलो और जीना सीखो।' चोरों को यथार्थ का बोध हुआ। वे भी अपनी आदतें सुधार कर प्रसन्न रहने की कला सीखने लगे।

जरा हटके

एक छोटा सा स्केच 246 करोड़ रुपए में हुआ नीलाम पैर की हल्की परछाई ने दिलाई पहचान

न्यूयॉर्क, (ईएमएस)। न्यूयॉर्क में एक छोटा सा स्केच क्रिस्टीज करोड़ों डॉलर में बिक गया। इस स्केच की नीलामी इतनी ज्यादा इसलिए लगी, क्योंकि नीलामी घर ने इसे महान कलाकार माइकल एंजेलो की कृति के रूप में प्रमाणित किया था।

यह मामूली सा दिखने वाला स्केच एक पैर को दर्शाता है, जिसमें एड़ी जमीन से थोड़ी ऊपर उठी हुई है और नीचे उसकी परछाई की हल्की सी रूपरेखा बनी है। जब इसके मालिक ने इसकी तस्वीर ऑनलाइन वैल्यूएशन पोर्टल पर भेजी थी, तब उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि उनके पास मौजूद यह ड्रॉइंग कला इतिहास की एक बेहद कीमती धरोहर साबित होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में हुई क्रिस्टीज की नीलामी में यह स्केच फीस समेत 2.72 करोड़ डॉलर यानी करीब 246 करोड़ रुपए में बिकी। नीलामी से पहले इसकी अनुमानित कीमत कम आंकी गई थी, लेकिन जैसे ही यह साफ हुआ कि यह ड्रॉइंग खुद माइकल एंजेलो ने बनाई थी, इसके लिए जबरदस्त बोली लगने लगी। आखिरकार यह अपने अनुमानित मूल्य से करीब 20 गुना ज्यादा कीमत पर बिकी और नीलामी में बिकने वाली माइकल एंजेलो की अब तक की सबसे महंगी कृति बन गई। विशेषज्ञों के मुताबिक माइकल एंजेलो ने यह स्केच लाल चॉक से बनाया था। यह दरअसल वैटिकन स्थित सिस्टीन चैपल की छत पर बनाई गई प्रसिद्ध फ्रेस्को पेंटिंग की तैयारी के दौरान बनाया गया प्रारंभिक रेखाचित्र था। माइकल एंजेलो ने सिस्टीन चैपल की छत को 1508 से 1512 के बीच चित्रित किया था, जिसे कला जगत की सबसे महान कृतियों में गिना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर सिस्टीन चैपल की छत पर बनी 'लिबियन सिबिल' की आकृति को ध्यान से देखा जाए, तो उसमें एक विशाल महिला आकृति दिखाई देती है, जो पीछे की ओर मुड़कर एक किताब रखने की मुद्रा में है। उसी आकृति के पैर की स्थिति बिल्कुल इसी स्केच से मेल खाती है...उंगलियां थोड़ी मुड़ी हुई, एड़ी जमीन से उठी हुई और नीचे हल्की सी परछाई। यही समानता इस स्केच को माइकल एंजेलो की कृति साबित करने का सबसे अहम सुराग बनी।

फोटो ऑफ द डे

पुर्तगाल में राष्ट्रपति पद के चुनावों में सोशयालिस्ट उम्मीदवार जोस सेगूरो के समर्थक भी पहुंचे।

राज काज

एक झटके में सारी खबरें गायब

मीडिया प्रबंधन किस तरह से किया जाता है। यह मोदी से अच्छा कोई नहीं जानता है। शेयर बाजार की गिरावट, सोने चांदी की गिरावट, डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट, रही सही कसर संसद में विपक्ष पूरी कर रहा था। डोकलाम और चीन के मामले में राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मुश्किल खड़ी कर रहे थे। मोदी जी आखिर मोदी जी हैं।उन्होंने एक ही झटके में उनके खिलाफ जो खबरें चल रही थी। वह मीडिया से हट गई। हर जगह अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर जो समझौता की खबरों ने स्थान ले लिया। राहुल गांधी संसद में चिल्लाते रहे। उनके हाथ कुछ नहीं लगा। मोदी जी ने एक झटके में बता दिया मीडिया कैसे मैनेज किया जाता है। खबरों को कैसे गायब किया जाता है। अब हर जगह मोदी जी की बल्ले बल्ले हैं।

नकली पैर की सदन में राजनीति

संसद के बजट सत्र में राज्यसभा के मनोनीत सांसद सदानंद ने अपने भाषण के पहले अपने दोनों नकली पैर अपनी सीट के सामने टेबल पर रख दिए।जिसके कारण सदन में भारी हंगामा हुआ। उन्होंने पहले ही भाषण में हिंदुत्व और आरएसएस की विचारधारा को लेकर पैरों के माध्यम से सहानुभूति हासिल करने का प्रयास किया। राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने महात्मा गांधी की हत्या को लेकर गोडसे के बारे में जो पूछा। उसे पर सदानंदन चुप रह गए। राजनीति सीखना है, तो संघ और भाजपा से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता है। भाजपा हर ऐसे मुद्दे को भुनाना जानती है।

यूजीसी के नियमों ने पहुंचाया भाजपा को गहरा आघात

पिछले 12 वर्षों में हिंदू एकजुटता के भाजपा और सरकार ने जो प्रयास किए थे। जो नेरेटिव हिंदुओं के बीच में बनाया था। मुसलमानों के खिलाफ एक वातावरण बन गया था। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की जो इमेज भाजपा ने बनाई थी।वह एक ही झटके में धूल धूश्रित हो गई।कहाँ मुसलमानों के खिलाफ हिंदू एक जुटता की बात की जा रही थी। कहां अब हिंदुओं के पिछड़े, एसटी, एससी जातियों के निशाने पर सरकार और भाजपा आ गई है। भला हो सुप्रीम कोर्ट का जिसने स्टे करके मलहम लगा दी है। आगे क्या होगा राम जाने। 80:20 और कटोगे तो बटोगे को लेकर आगे क्या होगा।यह चिंता का विषय बन गया है।

व्यंग्य

एक शर्त भी जीत न पाया

डॉ. हरि जोशी

मैं शर्त लगाने का पक्षधर कभी नहीं रहा अतः मैंने कभी शर्तें नहीं लगायीं किन्तु कुसमय मेरा परिचय एक बीमा एजेंट से हो गया। उसने मुझे अपनी शातिर बातों के जाल में ऐसा फँसाया कि मैं शर्तें लगाने पर मजबूर हो गया। अब मैं उसे प्रतिमाह कुछ राशि का चेक दे देता हूँ और वह उससे खुश होकर जुआ खेलता रहता है। मैं यही समझ नहीं पा रहा हूँ कि उसने मेरा बीमा किया या मुझे बीमार किया। पहले उसने मुझे डराया कि मेरे घर में चोरी हो सकती है। इसीलिए सारे सामान का बीमा कर लो। मैं उसी बात से आशंकित हो गया, संभव है रात के अँधेरे में किसी दिन सेंधमारी करने वह खुद आ धमके या किसी को भेज दे?

एक दिन कहा मेरे घर में आग लग सकती है। घर सुरक्षित रहे इसके लिए बीमा करा लो। मुझे शंका हुई कि किसी दिन पेट्रोल में कपड़ा डुबाकर तीली सुलगाकर मेरे घर में स्वयं ही न फेंक दे? मैं बहुत नियमित रहकर अपना जीवन जीता हूँ पर वह उस दिन कह रहा था - क्या पता आप कल बीमार पड़ जायें? - स्वास्थ्य का बीमा करा लो। इसीलिए कई दिन तक मैंने उसकी चाय भी नहीं पी। चाय पिलाकर वह अपनी शंका को साकार कर सकता था। कह सकता था देखो आज ही बीमार हो गया। एक दिन कहने लगा मेरी कार का एक्सीडेंट हो सकता है। बीमा करा लो। मैंने पूछा - क्या बीमा कराने से एक्सीडेंट नहीं होगा? अगले दिन से मैं किसी और से बचता न बचता उससे बचने लगा। एक दिन उसने अपने अधीनस्थ को भेज दिया। अधीनस्थ तो यहाँ तक कहने लगा मेरी मौत हो सकती है। बीमा करा लेना ठीक रहेगा। याने मैं कई साल मासिक क़िस्त भरता रहूँ जिसका मज़ा एजेंट उठाता रहे? और मर जाऊँ तो बाद में मिली धनराशि का आनंद कोई और उठाये?

अब जब मैं सत्तर साल की उम्र तक सुरक्षित हूँ तो वही बीमा कंपनी का एजेंट मेरे बच्चों ही नहीं नाती पोतों के बारे में चिन्तित करने लगा। बच्चों के स्वास्थ्य से निश्चिन्त रहना हो तो मासिक किस्त भरते रहो।

देश में रहकर इस तरह जुआ खेलते-खेलते प्रतिमाह अपनी जेब खाली करता रहता हूँ। जब कभी विदेश जाता हूँ तो वही प्राणी आशंका से ग्रस्त कर देता है कि मुझे बाहर कुछ भी कभी हो सकता है और इस तरह भयभीत कर वह एकमुश्त बड़ी राशि मुझसे ले लेता है। मैं हर बार पैसे लगाता हूँ और वही हर बार जीतता जाता है। लाखों रुपये फूँक चुका हूँ पर आज तक एक बार भी नहीं जीता। एजेंट्स का लक्ष्य एक ही होता है कि वह और उसकी कंपनी शर्तें जीतती रहे। सामने वाला किसी अनहोनी से डरकर बस पैसा देकर हारता रहे।

एक बार मुझे आभास होने लगा था कि अब मैं शर्त जीत सकता हूँ। हुआ यह कि एक वर्ष पूर्व श्रीमतीजी के स्वास्थ्य का बीमा कराया था। उनका आँखों में मोतियबिंद का ऑपरेशन कराना पड़ा। मैंने सोचा इब तक लाखों रुपये बीमा में दे चुका हूँ। यह खर्च तो मात्र कुछ हज़ार का है, शायद बीमा कंपनी दे देगी? मैंने एजेंट को तदाशय की जानकारी दी और घर बुलाया। वह नहीं आया। जो बीमा एजेंट स्वयं ही दिन में दो चक्कर लगाता था, शर्त के हारने के डर से नहीं आया।

चिंतन-मनन

युवकत्व की पहचान

मनुष्य स्वतंत्र संकल्प का स्वामी होता है। उसका संकल्प जैसा होता है, व्यक्तित्व भी वैसा ही नाझमत हो जाता है। सृजन और ध्वंस के संस्कार मनुष्य के भीतर होते हैं। उन संस्कारों को वह संकल्पशक्ति के सहारे बदल सकता है। जिस व्यक्ति में विधायक भावों की प्रचुरता होता है वह ध्वंसात्मक संस्कारों को सृजनशीलता में बदल लेता है। निषेधात्मक भाव व्यक्ति को क्रूरता, हिंसा, अनुशासनहीनता, असदाचार की दिशा में प्रेरित करते हैं। जिस राष्ट्र और समाज में हिंसा का बोलबाला होता है, रास्ते चलते बेगुनाह लोगों को मौत के घाट उतार दिया जाता है, वह उस राष्ट्र और समाज का दुर्भाग्य होता है। उस दुर्भाग्य से बचने के लिए अहिंसक शक्तियों को जगाने और संगठित बनाने की जरूरत है। यह सच है कि हिंसक वारदातें आदमी के मन में दहशत पैदा कर देती हैं। दहशत की स्थिति में कोई भी व्यक्ति न तो सही ढंग से सोच सकता है और न ही अपनी क्षमताओं का उपयोग कर सकता है। भयोत्पादक परिस्थितियों का प्रभाव बच्चों और वृद्धों पर अधिक होता है। युवकों में भय की मात्रा कम होती है। वे जान-बूझकर खतरों को मोल लेते हैं। उनकी मानसिकता साहसिक काम करने की रहती है, किंतु इसमें भी विवेक की अपेक्षा है। विवेक के अभाव में युवक कुछ ऐसे काम कर लेता है, जो उसे उम्र से कई वर्ष आगे ढकेल कर जर्जर बना देते हैं। देश की युवा पीढ़ी सही अर्थ में अपने यौवन को सुरक्षित रखना चाहे और कोई कीर्तिमान स्थापित करना चाहे तो उसे प्रतिस्रोतगामी बनना होगा।

स्वास्थ्य

प्रजनन आयु की हर 10 में से 1 महिला जूझ रही एंडोमेट्रियोसिस से

जिनेवा (ईएमएस)। प्रजनन आयु की हर 10 में से 1 महिला एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही है। इस स्थिति में गर्भाशय के अंदर बनने वाला टिश्यू शरीर के अन्य अंगों जैसे अंडाशय, आंत, डायफ्राम या फेफड़ों में बढ़ने लगता है। यह लंबे समय तक असहनीय दर्द देता है और समय रहते इलाज न मिले तो बांझपन का कारण भी बन सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार अधिकतर महिलाएं तेज पीरियड दर्द को ही इसका संकेत समझती हैं, जबकि शरीर कई अनोखे लक्षणों के जरिए भी चेतावनी देता है। जैसे पीरियड के दौरान कंधे में अचानक तेज दर्द जो डायफ्राम या फेफड़ों के पास टिश्यू जमा होने का संकेत हो सकता है। कई महिलाओं में कब्ज, दस्त, गैस या पेट फूलना जैसे लक्षण दिखते हैं, जिन्हें अक्सर खराब पाचन समझ लिया जाता है। बार-बार पेशाब आने, पेशाब के दौरान जलन या दर्द बढ़ जाने पर इसे अक्सर यूटीआई मान लिया जाता है, जबकि यह एंडोमेट्रियोसिस का संकेत हो सकता है। कुछ महिलाओं को कूल्हे से घुटने तक फैलने वाला दर्द महसूस होता है, जो नसों पर दबाव के कारण होता है। लगातार थकान, शरीर में भारीपन और माइग्रेन जैसे लक्षण भी इस बीमारी से जुड़े माने जाते हैं। हार्मोनल बदलाव और शरीर में बनने वाले स्कार टिश्यू की वजह से सिरदर्द बढ़ सकता है।

नहीं दूंगा इस्तीफा, सरकार चलाने का संकल्प मेरे 'सार्वजनिक कर्तव्य' से बंधा है- स्टार्मर

लंदन। ब्रिटेन की राजनीति में फिर भूचाल आ गया है। पीएम कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये खतरा बोरिस जॉनसन से शुरू हुई थी और ऋषि सुनक तक चली थी। लेकिन, ऐसा लग रहा है कि अब पीएम स्टार्मर की भी कुर्सी खतरे में है। मैंडेलसन का नाम एपस्टीन फाइल में आने के बाद से स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, पीएम स्टार्मर ने मैंडलसन को अमेरिका में राजदूत की नियुक्ति के लिए चुना था। तमाम विरोध और राजनीतिक प्रेशर के बावजूद स्टार्मर ने साफ कर दिया है कि वे इस्तीफा नहीं देंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन में स्टार्मर के खिलाफ लोगों के बीच गुस्सा है। लोगों और विपक्ष का कहना है कि जेफ्री एपस्टीन जैसे कुख्यात अपराधी से पीटर मैंडेलसन की नजदीकी की जानकारी के बावजूद उन्होंने नियुक्ति की सिफारिश की थी। स्टार्मर ने सोमवार को 10 डाउनिंग स्ट्रीट में अपने स्टाफ को संबोधित किया था।

इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (IABF)को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता: डॉ. राकेश मिश्र

इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (IBA) ने दी पूर्ण सदस्यता, बोर्ड बैठक में लिया ऐतिहासिक निर्णय-महासचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस रॉबर्ट्स

नई दिल्ली। लॉज़ेन।भारतीय मुक्केबाज़ी जगत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (IABF) को अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज़ी संघ (International Bo&ing Association – IBA) की पूर्ण सदस्यता प्रदान की गई है। यह महत्वपूर्ण निर्णय IBA के निदेशक मंडल द्वारा 6 फ़रवरी 2026 को लिया गया, जिसकी औपचारिक सूचना 9 फ़रवरी 2026 को स्विट्ज़रलैंड के लॉज़ेन से जारी पत्र के माध्यम से दी गई।

IBA के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने IABF के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र को संबोधित पत्र में इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि मुक्केबाज़ी खेल के प्रति IABF की प्रतिबद्धता, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संचालन के कारण यह मान्यता प्रदान की गई है।

IBA परिवार में IABF का स्वागत-उमर क्रीमलेव

IBA अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन का IBA परिवार में शामिल होना संगठन के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि IABF की सक्रिय भागीदारी से वैश्विक स्तर पर मुक्केबाज़ी खेल के विकास को नई दिशा और गति प्राप्त होगी।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी का औपचारिक आमंत्रण

IBA द्वारा IABF को आगामी अंतरराष्ट्रीय आयोजनों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु

औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया है। IBA ने आशा व्यक्त की है कि भारतीय मुक्केबाज़ों की सहभागिता से वैश्विक मुक्केबाज़ी समुदाय और अधिक सशक्त व ऊर्जावान बनेगा तथा भविष्य में दोनों संस्थाओं के बीच दीर्घकालिक एवं सार्थक सहयोग स्थापित होगा।

भारतीय मुक्केबाज़ी के लिए स्वर्णिम अवसर-डॉ. राकेश मिश्र

IBA की पूर्ण सदस्यता मिलने से अब भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अधिक अधिकार, अवसर और पहचान प्राप्त होगी। इससे देश के उभरते मुक्केबाज़ों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी, उन्नत प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग तथा वैश्विक अनुभव प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

डॉ. राकेश मिश्र का नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया-उमर क्रीमलेव

इस उपलब्धि को IABF के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच और संगठित प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। खेल जगत से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यह मान्यता भारतीय मुक्केबाज़ी के भविष्य को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

इस अवसर पर डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय बॉक्सिंग के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है। राकेश ठाकरान जी ने इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन के निदेशक मंडल एवं सदस्य देशों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि यह सदस्यता हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मंतव्य के अनुरूप भारतीय मुक्केबाज़ों को ओलंपिक खेलों में अधिक अवसर उपलब्ध कराने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि IABF अब जमीनी स्तर से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान करेगा, ताकि आगामी ओलंपिक खेलों के लिए सक्षम और प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी तैयार किए जा सकें। साथ ही, यह सदस्यता पिछले कुछ वर्षों से भारतीय मुक्केबाज़ी की बिगड़ती स्थिति को सुधारने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करेगी। डॉ. मिश्र ने देशभर के खिलाड़ियों, कोचों, रेफ़रियों, तकनीकी अधिकारियों तथा मुक्केबाज़ी से जुड़े सभी लोगों से आह्वान किया कि वे आगे आएँ और भारतीय बॉक्सिंग के इस नए दौर में सक्रिय सहभागिता निभाएँ।

वहीं, IABF के महासचिव श्री राकेश ठाकरान जी ने इस उपलब्धि पर देश की सभी राज्य स्तरीय बॉक्सिंग एसोसिएशनों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अब हम सभी को भारत सरकार के माननीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया जी के मार्गदर्शन में संगठित एवं प्रतिबद्ध होकर कार्य करना होगा, ताकि भारतीय मुक्केबाज़ों को अंतरराष्ट्रीय मंच, विशेषकर ओलंपिक खेलों में, बेहतर अवसर मिल सकें और देश में मुक्केबाज़ी खेल का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

आर्मी चीफ की चापलूसी और फिर यू-टर्न लेने को मजबूर हुआ पाकिस्तान, अब भारत से होगा मैच

इस्लामाबाद। क्रिकेट के मैदान पर अपनी हरकतों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोहरे मापदंडों के लिए मशहूर पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी फजीहत करा ली है। भारत और पाकिस्तान के बीच आगामी 15 फरवरी को होने वाले टी20 वर्ल्ड कप मैच को लेकर चल रहा लंबा ड्रामा अब खत्म हो गया है। पाकिस्तान सरकार और वहां के क्रिकेट बोर्ड ने घुटने टेकते हुए कोलंबो में भारत के खिलाफ मैच खेलने की इजाजत दे दी है। हालांकि, इस फैसले से ठीक पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और वहां के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का नाम घसीटकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया।

मैच खेलने की पुष्टि करने से चंद घंटे पहले मोहसिन नकवी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बेहद तल्ख तेवर दिखाए थे। उन्होंने गीदड़ भभकी देते हुए कहा कि पाकिस्तान

न तो भारत से डरता है और न ही आईसीसी की धमकियों से। अपनी चापलूसी की हद पार करते हुए नकवी ने बयान दिया कि फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर कभी किसी दबाव में नहीं आते और पूरी सरकार उनके पीछे खड़ी है। राजनीतिक गलियारों में इस बयान को सेना प्रमुख को खुश करने की एक हताश कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। नकवी ने जानबूझकर इस खेल के मामले में सेना को शामिल किया ताकि घरेलू स्तर पर अपनी कमजोरी को ढका जा सके। मोहसिन नकवी द्वारा आसिम मुनीर का नाम लेने के पीछे ऑपरेशन सिंदूर का वो जख्म है जो भारत ने मई 2025 में पाकिस्तान को दिया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। उस हार और शर्मिंदगी को छिपाने के लिए पाकिस्तान ने जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल का रैंक दे दिया था, जो 1959 के बाद वहां किसी को नहीं मिला। अब उसी काल्पनिक बहादुरी का सहारा लेकर नकवी भारत के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनकी यह कोशिश कुछ ही घंटों में नाकाम साबित हुई। पाकिस्तान का यह यू-टर्न अंतरराष्ट्रीय दबाव और आर्थिक नुकसान के डर का परिणाम माना जा रहा है। शुरुआत में पाकिस्तान ने बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के नाम पर मैच के बहिष्कार की धमकी दी थी।

ब्रिटेन में हो रहे शबाना महमूद के चर्चे बन सकती हैं देश की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री

लंदन। ब्रिटेन के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों एक नाम सबसे अधिक चर्चा का विषय बना हुआ है-शबाना महमूद। लेबर पार्टी की यह दिग्गज नेता न केवल वर्तमान सरकार में जस्टिस सेक्रेटरी और लॉर्ड चांसलर की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, बल्कि राजनीतिक विश्लेषकों ने उन्हें भविष्य की प्रधानमंत्री पद की एक बेहद मजबूत और प्रभावशाली दावेदार के रूप में देखना शुरू कर दिया है। एक टैक्सी ड्राइवर की बेटी से लेकर देश की न्याय प्रणाली के सर्वोच्च पद तक पहुँचने का उनका सफर लाखों प्रवासियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। 17 सितंबर 1980 को बर्मिंघम में जन्मी शबाना महमूद के पिता पाकिस्तान से ब्रिटेन आए थे। एक सामान्य प्रवासी परिवार में पली-बढ़ी शबाना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद बर्मिंघम विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की और एक सफल बैरिस्टर के रूप में अपनी पहचान बनाई। कानून की बारीक समझ और सामाजिक न्याय के प्रति उनके झुकाव ने उन्हें राजनीति की ओर प्रेरित किया। साल 2010 में उन्होंने पहली बार बर्मिंघम लेडीवुड सीट से चुनाव जीता और ब्रिटिश संसद में कदम रखा। तब से लेकर आज तक, उन्होंने न केवल अपनी सीट पर लेबर पार्टी की पकड़ मजबूत रखी है, बल्कि संसद के भीतर भी महिलाओं के अधिकार और अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर प्रखरता से आवाज उठाई है। शबाना महमूद की सबसे बड़ी ताकत उनकी व्यावहारिक और संतुलित राजनीति मानी जाती है। 2024 में लेबर पार्टी की भारी जीत के बाद उन्हें लॉर्ड चांसलर और जस्टिस सेक्रेटरी नियुक्त किया गया, जो ब्रिटिश कैबिनेट के सबसे प्रतिष्ठित पदों में से एक है। इस पद पर आसीन होने वाली वे पहली मुस्लिम महिला हैं।

सत्ता की रेस में तारिक रहमान की बीएनपी सबसे आगे, सुधारों के लिए जनमत पर टिकी यूनुस की उम्मीदें

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव के करीब आते ही राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की अगुआई में चल रही अंतरिम सरकार के बीच अब देश को एक पूर्णकालिक प्रधानमंत्री मिलने की उम्मीद है। यह चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक है, क्योंकि लंबे समय तक सत्ता में रही शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग इस बार चुनावी प्रक्रिया से बाहर है, जिसे प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐसे में चुनावी मैदान अब नई और पुरानी भारत विरोधी ताकतों के लिए पूरी तरह खुला नजर आ रहा है। मौजूदा चुनावी परिदृश्य में मुख्य मुकाबला दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के बीच माना जा रहा है।

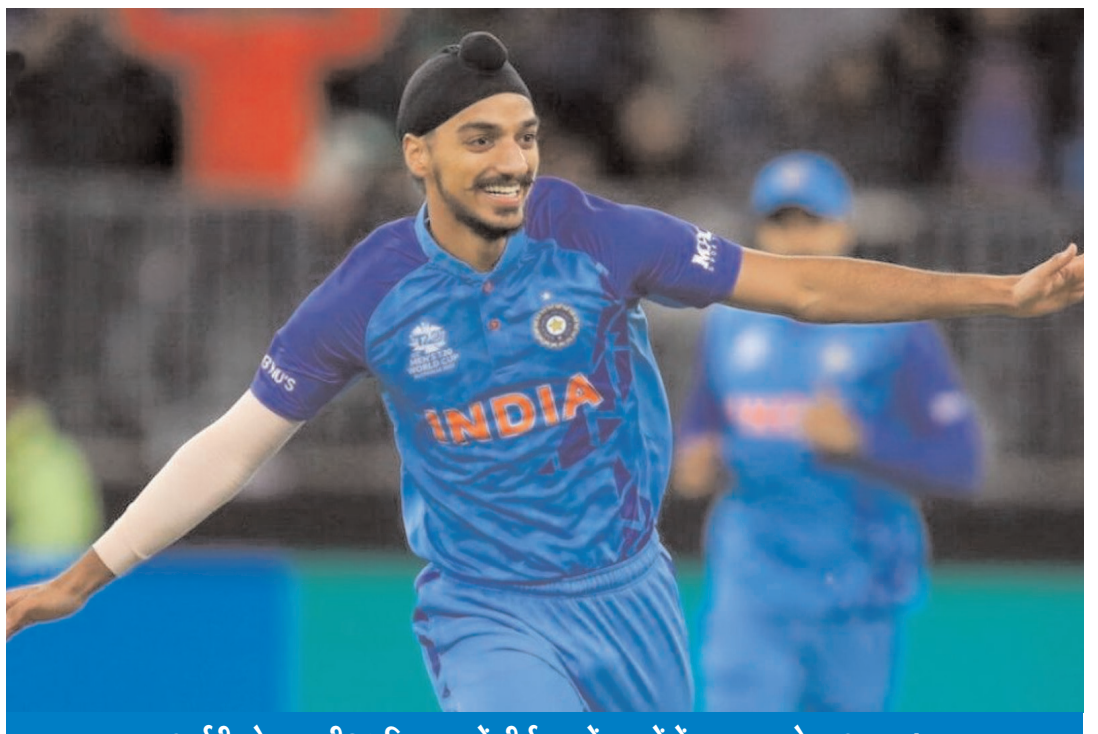

अर्शदीप के पास टी20 विश्व कप में शीर्ष दस गेंदबाजों में जगह बनाने का अवसर।

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं: अश्विन

गेंद और बल्ले में टक्कर से रोमांच बढ़ा

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है।

अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है। वानखेड़े स्टेडियम को ही लें भारतीय टीम को वहां सपाट पिच की उम्मीद थी पर जो पिच मिली वह काफी अलग रही। इससे टीम के लिए रन बनाना आसान नहीं रहा। अश्विन का मानना है कि पिच की इस प्रकृति ने टीमों को हैरान कर दिया है। उन्हें वह गति और उछाल नहीं मिल रहा है जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। इसकी वजह से खेल और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

उन्होंने कहा कि जब मैच में बल्ले और गेंद के बीच सही संतुलन होता है, तो टी20 क्रिकेट का मजा और बढ़ जाता है। ये देखा गया है कि 140, 150 या 160 के आसपास के स्कोर वाले मैचों में रोमांच अधिक होता है क्योंकि ऐसे हालातों में छोटी टीमों के पास भी बड़ी टीमों को हराने का अवसर होता है। वहीं यदि हर मैच में केवल बड़े स्कोर ही बनेंगे, तो गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रहेगा और मुकाबले एकतरफा हो जाएंगे। इसलिए, इस बार की पिचों को वह अच्छा कह रहे हैं। इनपर बल्लेबाज और गेंदबाज के पास समान अवसर हैं। ऐसे में वही टीम बेहतर कर पायेगी जो पिच को समझ सकेगी।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट ओर रोहित का हुआ डिमोशन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है।

इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर

उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

एलियांजा लीमा क्लब से खेलेंगी

लीमा। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। ''साथ ही कहा, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

पोंटिंग ने बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये हैं। पोंटिंग ने कहा है कि बाबर ने जिस प्रकार से एसोसिएट टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी की है। उससे साफ है कि वह सहज नहीं हैं। इसके बाद भी वह नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों में केवल15 रन ही बना पाये। इस पारी के दौरान वह न एक भी चौका , छक्का नहीं लगा पाये। पोंटिंग के अनुसार आजम के शॉट में पहले जैसी ताकत नजर आई और न ही टाइमिंग नजर नहीं आई। पोंटिंग ने कहा, अगर आप 18 गेंदों में 15 रन बना रहे हैं तो इससे साफ है कि आप दबाव में है और स्ट्राइक भी रोटेट नहीं कर पा रहे। इससे दूसरे बल्लेबाजों पर भी दबाव आता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बाबर को फिर से नंबर-3 पर बल्लेबाजी करानी चाहिए जिससे वह पावरप्ले के दौरान मैदान की पाबंदियों का लाभ उठाकर रन बना सकें। पोंटिंग ही नहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भी कहा कि बाबर अपने पहले ही मैच में रनों के लिए जूझते दिखे। वहीं शास्त्री ने कहा कि बाबर पर उम्मीदों का बोझ है जिससे वह खुलकर नहीं खेल पा रहे। शास्त्री ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर उम्मीदों का बोझ काफी अधिक होता है।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया: गंभीर

कोच के तौर पर मेरा काम आसान हुआ

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रभात द्विवेदी को कांग्रेस का नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

मैहर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी आदेश के तहत मैहर नगर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में प्रभात द्विवेदी' की नियुक्ति किए जाने से कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इस नियुक्ति को संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एवं प्रदेश नेतृत्व के अनुमोदन के बाद की गई। इस नियुक्ति से मैहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रभात द्विवेदी को एक ऐसे नेता के रूप में जाना जाता है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी की विचारधारा से समझौता नहीं किया और निरंतर संघर्ष करते हुए संगठन के लिए कार्य किया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रभात द्विवेदी की नियुक्ति से नगर कांग्रेस को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। वे जमीन से जुड़े नेता हैं और कार्यकर्ताओं के सुख दुख में सदैव खड़े रहे हैं। संगठनात्मक अनुशासन, संघर्षशीलता और स्पष्ट विचारधारा उनकी पहचान रही है। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे तथा कांग्रेस की नीतियों को जनजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष का मैहर में जोरदार स्वागत: प्रिंस

मैहर। भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष श्याम टेलर का मैहर में प्रथम आगमन आज 11 फरवरी को होने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष प्रिंस शर्मा के नेतृत्व में जगह जगह स्वागत किया जायेगा। युवा नेता श्री शर्मा ने बताया कि युवा संवाद का आयोजन एकलव्य विद्यालय मैहर में होगा। जिसमें अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील युवाओं से की गई है।

जल सुनवाई के दौरान नागरिकों के 17 प्रकरणों पर की गई सुनवाई

52 जल नमूनों का हुआ परीक्षण नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति के निगम प्रशासन के प्रयास जारी

कटनी। महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त तपस्या परिहार के निर्देश पर नागरिकों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति की दिशा में निगम प्रशासन के प्रयास अनवरत जारी है। इसी श्रृंखला में राज्य शासन के निर्देशों के परिपालन में नागरिकों की पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु मंगलवार 10 फरवरी को नगर के समस्त वार्डों में वार्ड स्तरीय जल सुनवाई का आयोजन किया जाकर नागरिकों के आवेदन पर सुनवाई की गई। जल सुनवाई के दौरान गठित वार्ड स्तरीय कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के निर्धारित स्थलों पर उपस्थित रहकर नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए गए। इस दौरान उपस्थित आम नागरिकों से उनके यहां आपूर्ति किये जा रहे पेयजल की गुणवत्ता के संबंध में फीडबैक भी लिया गया। कार्यपालन यंत्री श्री सुधीर मिश्रा जल प्रदाय ने बताया कि मंगलवार को आयोजित वार्ड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कुल 17 नागरिकों की समस्याओं एवं सुझावों से संबंधित आवेदनों पर सुनवाई की गई। वहीं जल नमूनों की जांच कराने हेतु पहुंचे 52 नागरिकों की शंकाओं एवं शिकायतों का निराकरण उनके समक्ष ही जांच कराकर किया गया तथा परीक्षण रिपोर्ट से संबंधित नागरिकों को अवगत कराया गया।

सरकार यूजीसी में संशोधन चाहती है - अवधेशानंद गिरी

मुरैना। मंगलवार को हवाई मार्ग से मुरैना पहुंचे जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर अवधेशानंद गिरी महाराज ने भारत सरकार की तारीफों के पुल बांध दिये। भारत को आगामी 6 माह में विश्व की तीसरी अर्थ व्यवस्था होना बताते हुये अनेक मुद्दों पर भारत सरकार की सराहना की।

निगमायुक्त ने माधव नगर निरीक्षण कर निगम सेवाओं को दुरुस्त करने दिए निर्देश

उप कार्यालय माधवनगर में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों के आवेदनों पर की सुनवाई

कटनी। उपनगरीय क्षेत्र माधव नगर में नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा मंगलवार प्रात: माधवनगर के बाबा नारायण शाह वार्ड, हेमू कालाणी वार्ड और आचार्य कृपलानी वार्ड की सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, जल निकासी, व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान निगमायुक्त ने माधवनगर उप कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं भी गंभीरतापूर्वक सुनीं।

पानी टंकी का निरीक्षण

माधवनगर क्षेत्र में की जाने वाली जलापूर्ति हेतु निर्मित पानी की टंकी एवं संपवेल के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त द्वारा जल आपूर्ति की संपूर्ण प्रक्रिया, पिछली जल टेस्टिंग एवं टंकी की सफाई आदि की जानकारी उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव से ली जाकर रोजाना वार्डो से पानी की गुणवत्ता का परीक्षण कराने तथा टंकी सफाई की अवधि तिथि अंकित करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि नागरिकों को की जाने वाली पेयजल आपूर्ति में जरा भी कोताही न बरती जाए।

जारी करें नोटिस

ग्राम पंचायत चैराहा स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स की व्यवस्थाओं के निरीक्षण के दौरान शौचालय कक्ष में पर्याप्त साफ सफाई नहीं पाए जाने तथा केयर टेकर के स्थल पर मौजूद नहीं होने पर निगमायुक्त सुश्री परिहार द्वारा गहन नाराजगी व्यक्त की जाकर सुलभ संचालक को नोटिस जारी करने के निर्देश सहायक यंत्री आदेश जैन को दिए।

नालों की कराए सफाई

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त द्वारा शासकीय औषधालय माधवनगर एवं उसके बाजू में नगर निगम की रिक्त भूमि का जायजा

लिया। इस दौरान समक्ष में निर्मित नाले एवं गिरी पैलेस के बाजू के नाले में गंदगी पाए जाने पर वार्ड दरोगा को नालों की सफाई कराकर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने की हिदायत दी गई।

रेस्टोरेशन कार्य का किया निरीक्षण

निगमायुक्त द्वारा हरे माधव चैक से मिलने वाले मार्ग में कराए गए रेस्टोरेशन कार्य का निरीक्षण कर क्षेत्र की वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु शोल्डर कार्य का प्रस्ताव तैयार कराने के निर्देश दिए।निगमायुक्त ने क्षेत्र की सुगम यातायात व्यवस्था हेतु मार्गों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने, मार्ग में अनधिकृत रूप से रखी निर्माण सामग्री को जब्त करने, अवैध नल कनेक्शन पर कार्यवाही करने के साथ ही समदड़िया आभूषण के बाजू में निर्मित नाले के ऊपर सुरक्षा की दृष्टि से शीघ्र ही चैंबर की मरम्मत कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में पाई गई कमियों का शीघ्र समाधान करें तथा नियमित निगरानी के माध्यम से व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त द्वारा नगर निगम स्वामित्व की भूमियों का जायजा लेकर उन्हें संरक्षित करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए।

जनसुनवाई में नागरिकों के आवेदनों पर की सुनवाई

निगमायुक्त सुश्री परिहार द्वारा निरीक्षण के पश्चात माधव नगर उपकार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्याओं एवं आवेदनों को सहजता पूर्वक सुना गया। इस दौरान उन्होंने जनसुनवाई में अनुमती विपरीत निर्माण कार्य, कल्याणी पेंशन, अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने, जलापूर्ति, अतिक्रमण, समग्र आईडी एवं अन्य प्राप्त आवेदनों और नागरिकों से जुड़ी समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ समय-सीमा में कार्य करते हुए निराकरण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान समग्री आईडी लिंकिंग, पेयजल एवं सफाई संबंधी समस्याओं पर सुनवाई उपरांत निगमायुक्त के निर्देश पर तत्काल कार्यवाही कराई गई। निरीक्षण एवं जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के विभिन्न शाखाओं के विभाग प्रमुखों एवं क्षेत्रीय अधिकारियों की मौजूदगी रही।

50 हजार एकड़ भूमि को सिंचित करने पर विगढ़ की जनता जताएगी मुख्यमंत्री का आभार

विशाल आभार रैली में शामिल होने 28 को आयेंगे सीएम डॉ मोहन यादव

विधायक संजय पाठक ने मुख्यमंत्री से की भेंट, 2 उच्च स्तरीय पुल और सड़कों की मिली स्वीकृति

कटनी। विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भेंट कर पिछले दिनों उनकी अध्यक्षता में कैबिनेट से स्वीकृत हुई 50 हजार एकड़ भूमि सिंचित करने वाली दो सिंचाई परियोजनाओं के लिए क्षेत्र की संपूर्ण जनता की ओर से आभार जताया उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से विजयराघवगढ़ विधानसभा की जनता और किसानों की ओर से विजयराघवगढ़ आने और जनता की ओर से आभार धन्यवाद स्वीकार करने के लिए आमंत्रित किया। जिसपर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आगामी 28 फरवरी शुक्रवार को विजयराघवगढ़ विधानसभा में आने एवं किसानों द्वारा आयोजित सिंचाई की परियोजना देने के आयोजित आभार रैली में शामिल होकर किसानों व जनता की खुशियों में भागीदार बनने की इच्छा जताई।

डॉ मोहन यादव ने दी नदी पर पुलों एवं सड़कों की सौगात

विधायक संजय पाठक ने मुख्यमंत्री डॉ

मोहन यादव से भेंट कर पत्र के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कटनी एवं महानदी पर पुलों एवं गांवों को जोड़ने के लिए सड़को के प्रस्ताव दिए उन सभी प्रस्ताव को डॉ मोहन यादव ने सहर्ष स्वीकार करते हुए स्वीकृति प्रदान की । इन प्रस्तावों में कटनी नदी पर घूंसुर को कांटी क्षेत्र से जोड़ने के लिए उच्च स्तरीय पुल, महानदी पर बकेली से गुड़ेहा पिपरा को जोड़ने के लिए उच्च स्तरीय पुल इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में सुगमआवागमन की दृष्टि से ग्राम रोहनिया से गोंइंद्रा जिवारा मार्ग निर्माण, ग्राम कुंआ से कुठिया मोहगवां मार्ग निर्माण, ग्राम करौंदीखुर्द से बिचपुरा जाजागढ़ मार्ग, ग्राम कारीतलाई से गुडेहा मार्ग ,बरही खितौली रोड पर टेड़ी पुलिया से ऊटिन टोला मार्ग निर्माण, हदरहाटा सलैया सिहोरा मार्ग के निर्माण को स्वीकृत किया है । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा विधानसभा विकास की इन मांगों को तत्काल स्वीकृति प्रदान करने पर विधानसभा के प्रधान सेवक के रूप में क्षेत्र की जनता की ओर से विधायक संजय पाठक ने तत्काल रूप से धन्यवाद व्यक्त किया।

2 सिंचाई परियोजनाओं से विजयराघवगढ़ की 50 हजार एकड़ भूमि होगी सिंचित

पिछले दिनों कैबिनेट की मंजूरी के बाद विजयराघवगढ़ विधानसभा के 30 ग्राम पंचायतों की 20 हजार हेक्टेयर या 50 हजार एकड़ से अधिक भूमि को बाण सागर डैम के पानी को दो लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से प्रेशर पाइप से खेतों तक पानी पहुंचाने वाली धनवाही एवं बरही सूक्ष्म उद्यम सिंचाई योजनाओं को स्वीकृति मिल गई। इन दोनों योजनाओं में लगभग 616 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा जिससे मैहर जिले के 7 एवं कटनी जिले के विजयराघवगढ़ विधानसभा के 30 ग्राम पंचायतों की 50 हजार एकड़ खेतों तक पानी की लाइन बिछाकर कनेक्शन के माध्यम से भूमि को सिंचित किया जाएगा। विधायक संजय पाठक काफ़ी समय से आपार जल राशि वाले बाण सागर डैम के पानी को लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से खेतों तक पहुंचाने वाली योजना के लिए प्रयास कर रहे थे जिसके लिए उन्होंने जल संसाधन विभाग के विभागीय अधिकारियों के माध्यम से विस्तृत योजना सर्वे और डीपीआर बनाने के लिए आग्रह किया था और सम्पूर्ण योजना बनवाकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मिलकर स्वीकृति के लिए आग्रह भी किया था ।

गांधीगंज में हुई थी वारदात, चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश का फैसला

हत्या के प्रयास के दोषियों को 7 वर्ष का सश्रम कारावास

कटनी। चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश एस.पी.एस. बुंदेला की अदालत ने कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हत्या के प्रयास के एक मामले में अभियुक्त रितिक निषाद, अभिषेक उर्फ भालू चौरसिया और अनुराग उर्फ वासु चौरसिया को दोषी करार देते हुए 7 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1000-1000 रूपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह वारदात 27 मार्च 2024 को रात लगभग 9:30 बजे गांधी गंज में हुई थी। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता की धारा 294 , 323, 307 सहपठित धारा 34 और आयुध अधिनियम की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया था और अभियोग पत्र पेश किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नदीम जावेद खान के न्यायालय से मामला विचारण के लिए सत्र न्यायालय भेजा गया था, जहां अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक के के तिवारी ने पैरवी की। मुख्य अभियुक्त रितिक निषाद ने फरियादी साहिल निषाद से कुछ पैसे उधार लिए थे। जब साहिल ने पैसे वापस मांगे, तो रितिक ने उसे बात करने के बहाने रावत गली बुलाया। साहिल अपने दोस्तों आशीष सोंधिया और सूजल रजक के साथ वहां पहुंचा। वहां रितिक निषाद, अभिषेक उर्फ भालू, अनुराग उर्फ वासु और एक नाबालिग पहले से मौजूद थे। रितिक ने गाली देते हुए जान से मारने की नीयत से साहिल के पेट में चाकू मार दिया। चाकू के वार से साहिल की आंतें बाहर निकल आईं जब साहिल का दोस्त आशीष उसे बचाने आया, तो अनुराग उर्फ वासु ने उसके सिर पर बीयर की बॉटल मारी और अभिषेक उर्फ भालू ने हाथघूंसों व कड़े से उसके साथ मारपीट की। शोर मचने पर हमलावर मौके से भाग गए। घायल साहिल को तुरंत जिला अस्पताल कटनी ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया गया। न्यायालय ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अभियुक्तों को दोषी पाया। दोषियों को उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए कठोर कारावास की सजा दी गई है एवं अर्थदंड भी लगाया गया। फैसले में यह भी स्पष्ट किया गया कि इसी मामले से संबंधित एक विधि का उल्लंघन करने वाले बालक नाबालिग का प्रकरण वर्तमान में सक्षम किशोर न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने मामले में जत की गई संपत्ति के निराकरण के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। दोषियों के खिलाफ सजा वारंट तैयार कर उन्हें जेल भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई।

कक्षा 12वीं के परीक्षार्थियों का तिलक बंदन कर कराया प्रवेश

मैहर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा संचालित हायर सेकेंड्री की वार्षिक परीक्षा जो मंगलवार से प्रारम्भ हो गई उसके प्रथम दिवस छात्र छात्राएं अपने परीक्षा केन्द्रों में पहुंचे जहांकि केंद्र क्रमांक 382009 में जब बच्चे विद्यालय में प्रवेश किए तो पूरा विद्यालय भारतीय संस्कृति से सुसज्जित कलस व रंगोलियों से सजा था। सभी छात्राओं का विद्यालय प्रमुख एवं अशासकीय विद्यालय संघ मैहर अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र ने केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति में सभी छात्राओं का मंगल टीका तिलक बंदन कर उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश कराया गया।

महापौर जनसुनवाई : महीनों से भटक रहे नागरिकों को राहत मिलने की जगी आस

कटनी। नागरिक समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक नगर निगम कार्यालय स्थित मेयर इन काउंसिल कक्ष में महापौर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न वार्डों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुँचे। जनसुनवाई का उद्देश्य आम जनता को अपनी समस्याएँ सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर प्रदान करना तथा नगर निगम और नागरिकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना था, जिससे समस्याओं को समझकर उनका समयबद्ध और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी स्वयं उपस्थित रहीं और विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों की शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों पर प्राथमिकता के साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को बार-बार निगम कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने सड़क मरम्मत, सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, खाद्य पर्ची, अतिक्रमण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र तथा नाली-नालों से संबंधित समस्याओं के आवेदन प्रस्तुत किए। महापौर ने प्रत्येक मामले पर व्यक्तिगत रूप से विचार-विमर्श करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। 10 फरवरी, मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें 27 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष आवेदनों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। नागरिकों की समस्याओं के निरंतर समाधान और बेहतर प्रशासनिक संवाद बनाए रखने के लिए आगामी मंगलवारों को भी तय समय पर जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

कार्य में निरंतर लापरवाही करना तीन सहायक राजस्व निरीक्षकों को पड़ा भारी

निगमायुक्त ने जारी किया चेतावनी पत्र

कटनी। निगमायुक्त तपस्या परिहार द्वारा राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान वसूली कार्य में रूचि लेकर प्राथमिकता से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली कार्य करने के दिये गए निर्देशों के बाद भी कार्य में लापरवाही करने तथा कम वसूली करने वाले तीन सहायक राजस्व निरीक्षक सहित एक वार्ड वसूली कर्ता को चेतावनी पत्र जारी कर 7 दिवस में निर्धारित लक्ष्य अनुरूप वसूली करने के निर्देश दिए है।

निगमायुक्त सुश्री परिहार द्वारा जिन 4 राजस्व कर्मचारियों को चेतावनी पत्र जारी किया गया है। उनमें शैलेन्द्र कुंडे सहायक राजस्व निरीक्षक वार्ड क्रमांक 43, रमाकांत रावत सहायक राजस्व निरीक्षक वार्ड क्रमांक 40 एवं 41, संतोष बिरहा सहायक राजस्व निरीक्षक वार्ड क्रमांक 32 एवं पुरुषोत्तम तिवारी वसूली करता वार्ड क्रमांक 35, का नाम शामिल है। इन चारों कर्मचारियों को समीक्षा बैठक के दौरान निर्देशित किये जाने के पश्चात भी राजस्व वसूली कार्य में लापरवाही एवं कार्य के प्रति उदासीनता बरतते हुए विगत वर्ष की तुलना में कम वसूली की गई। निगमायुक्त ने चारों कर्मचारियों को वसूली कार्य को गंभीरता से लेते हुए 7 दिनों में वसूली में प्रगति लाकर निर्धारित लक्ष्य अनुरूप वसूली नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध एक पक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

बड़ा अखाड़ा के गुरू महाराज का जन्मोत्सव आज

मैहर। श्रीराम जानकी मंदिर बड़ा अखाड़ा के पूज्य संत सीताबल्लभ शरण जू महाराज का जन्मोत्सव आज 11 फरवरी बुधवार को शिष्य भक्तों द्वारा धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। इस उपलक्ष्य में मंगलवार से अखंड कीर्तन का शुभारंभ किया गया और बुधवार को कीर्तन विश्राम के साथ गुरु पूजन सुबह 11 से 12 तक होगा। तदुपरांत भण्डारा प्रसाद का वितरण होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील पुजारी दीनदयाल शरण जू महाराज एवं सुशील तिवारी द्वारा की गई है।

» न्यूज कैप्सूल »

मां गंगा के किनारे 38 दिन का कल्पवास

दमोह। मां गंगा के किनारे 38 दिन का कल्पवास महेश पटेल जी मुकदम ग्राम पंचायत चंपत पिपरिया तहसील पथरिया जिला दमोह जी ने 38 दिन मां गंगा मां यमुना मां सरस्वती जी के त्रिवेणी संगम में अपना कल्पवास कर साधना आराधना करते हुए मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। जहां व्यक्ति साधना तपस्या के मूलभूत कर्तव्यों से विमुख हो रहा है जहां पर हमारे महेश पटेल मुकदम दादा जी ने समाज को प्रेरणा देते हुए बताया कि वास्तव में यदि मां गंगा मां यमुना मां सरस्वती जी का यदि पूर्ण आशीर्वाद चाहते हैं तो मां के निर्देशन में चलना ही होगा तब त्याग पुरुषार्थ के बल पर ही मां का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है और जब 38 दिन तक प्रयागराज जैसी नगरी में जहां त्रिवेणी संगम के तट पर मां का कल्पवास किया और अपने ग्रह निज निवास चंपत पिपरिया में प्रवेश किया तभी हमारे प्रांतीय प्रवक्ता बाबूलाल विश्वकर्मा जी एवं संभागीय सचिव संजय पटेल जी भैया सोमनाथ पटेल जी ने श्री फल देकर सौजन्य भेंट की।

जनसुनवाई में 251 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये हितग्राहियों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 251 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 17 आधार कार्ड एवं 210 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर मीना मसराम, डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। जिले के ग्राम नोहटा, अभाना सहित चिन्हित 25 पंचायतों में जनसुनवाई के दौरान 23 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें शत-प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया गया।

12 फरवरी को सांडिया में नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

पिपरिया (ब्यूरो)। संचार सेवा समिति पिपरिया और पीपुल्स मेडिकल कॉलेज भोपाल के सहयोग से 12 तारीख दिन गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साड़ियां में नि:शुल्क नेत्र प्रत्यारोपण नेत्र शिविर का आयोजन प्रात: 11 बजे से 2 बजे तक किया जा रहा है। शिविर के बारे में अधिक जानकारी देते हुए सिविल अस्पताल पिपरिया के वरिष्ठ नेत्र रोग एवं चिकित्सा सहायक श्याम सोडाणी ने बताया कि हमारे देश में अंधेपन के कारणों में मोतियाबिंद एक प्रमुख कारण है राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत मोतियाबिंद मरीजों के नि:शुल्क ऑपरेशन स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से शिविर आयोजित कर किए जाते है। हमारे देश में मोतियाबिंद ऑपरेशन के सुविधा महानगरों में या जिला स्तर पर उपलब्ध है। इस कारण स्वयं सभी संस्थाओं के माध्यम से नेत्र शिविर का आयोजन कर आम जनता को लाभ दिया जाता है। संचार सेवा समिति द्वारा इस साल का यह दूसरा नेत्र शिविर है नेत्र शिविर में ऑपरेशन योग्य मरीजों की सभी तरह की व्यवस्थाएं जैसे जांच,ऑपरेशन,लेंस ,दवाइयां ,परिवहन ,काला चश्मा ,भोजन पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है । खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रिचा कटकबार एवं संचार सेवा समिति के प्रमुख ज्ञानी मनजिंदर सिंह द्वारा आम जनता से निवेदन किया गया है अधिक से अधिक संख्या में आकर इस शिविर का लाभ उठाएं ऑपरेशन के लिए आने वाले मरीजों से निवेदन है कि वह अपने साथ आयुष्मान कार्ड आधार कार्ड एवं परिवार के किसी व्यक्ति का मोबाइल नंबर अवश्य लेकर आए।

इंटरनेट सुरक्षा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, दिलाई शपथ

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में मंगलवार को कलेक्टर डॉ. गिरीशकुमार मिश्रा की अध्यक्षता में इंटरनेट सुरक्षा दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनआईसी, ई-गवर्नेंस द्वारा विभिन्न साइबर फ्रॉड मामलों पर चर्चा की गई साथ ही रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय बताए गए। बैठक में डिजिटल अरेस्ट, यूपीआई एवं नेट बैंकिंग पासवर्ड की सुरक्षा को लेकर सावधानियों की जानकारी दी गई। साइबर ठगी की स्थिति में 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर एवं नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

यह सबसे बड़ा आकर्षण हैं, यह जरूरी हैं कि आप अपने आपको खेल गतिविधियों से जोड़ें: अभिनेता गुलशन ग्रोवर

फिल्म अभिनेता गुलशन ग्रोवर बटियागढ़ में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में हुए शामिल

दमोह। जिले के बटियागढ़ में चल रहे मंत्री कप क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटैल एवं फिल्मी दुनिया में बैडमेन के नाम से मशहूर अभिनेता गुलशन ग्रोवर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण शामिल हुये। अभिनेता गुलशन ग्रोवर के साथ राज्यमंत्री द्वय ने खुली जीप में बैठकर क्रिकेट मैदान का राउण्ड लिया और उपस्थित जनसमूह का अभिवादन स्वीकार किया। इस मौके पर राज्यमंत्री द्वय श्री लोधी एवं श्री पटैल ने पुष्पमाला, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया । पूर्व विधायक सोनाबाई अहिरवार एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र व्यास, कपिल शुक्ला, मोहन पटैल एवं लोकेन्द्र सिंह (लकी भैया) ने भी अभिनेता श्री ग्रोवर का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा विधानसभा स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच बटियागढ़ में चल रहा है, जिसमें सुप्रसिद्ध अभिनेता गुलशन ग्रोवर जी का आगमन हुआ और उनको देखने के लिए जनता उमड़ पड़ी। उन्होंने कहा राज्यमंत्री लखन पटेल जी के नेतृत्व में एक दिव्य और भव्य टूर्नामेंट आयोजित हुआ है। उन्होंने सभी को बधाई और शुभकामनाएँ दी। बैडमेन की ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता गुलशन ग्रोवर ने कहा क्रिकेट खिलाड़ियों का प्रोत्साहन करने के लिए इतनी दूर से आया हूँ। खिलाड़ियों द्वारा किए गए प्रदर्शन से यहां खड़े व्यक्तियों को प्रोत्साहन मिल रहा हैं कि वे भी स्पोर्टस की तरफ जाएं। यह सबसे बड़ा आकर्षण हैं, यह जरूरी हैं कि आप अपने

आपको खेल गतिविधियों से जोड़ें। यहां मैच और भी बढ़िया तरीके से होंगे फिल्मी अभिनेता, कलाकार आयेंगे। उन्होंने कहा सभी कलाकारों के प्रति आपका स्नेह और सम्मान देखने मिला हैं। अभिनेता श्री ग्रोवर ने कहा जिस प्रकार से यहां पर विकास हो रहा हैं, टूरिज्म से जुड़े विकास भी हो रहे हैं। श्री ग्रोवर ने जनता की मांग पर फिल्म से जुड़े एक से बढ़कर एक डायलॉग सुना कर दर्शकों का शानदार मनोरंजन भी किया। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा आज का दिन बड़ा गौरव का दिन है, आज का दिन बटियागढ़ के इतिहास के पन्नों में लिखा जाएगा। मशहूर फिल्म अभिनेता गुलशन ग्रोवर जिन्होंने लगभग 400 बॉलीवुड और हॉलीवुड की फिल्मों में काम किया है और जो 'बैड मैन' के नाम से जाने जाते हैं, लेकिन वो बैड मैन सिर्फ फिल्मों में हैं, व्यक्तिगत जीवन में बहुत सज्जन और सरल व्यक्ति हैं। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा अभिनेता श्री ग्रोवर विदेश में शूटिंग कर रहे थे और शूटिंग कैंसिल करके, एक दिन के लिए, एक घंटे के लिए वह बटियागढ़ तक आए। मुंबई से चलकर जबलपुर और जबलपुर से बाय रोड (सड़क मार्ग) से यहाँ तक पहुंचे। उन्होंने अभिनेता श्री ग्रोवर का आभार व्यक्त किया और पूरे बटियागढ़ विकासखंड, पथरिया विधानसभा और सारी दमोह जिले की जनता का आभार माना। उन्होंने कहा अभिनेता श्री ग्रोवर ने सभी दर्शकों का उत्साहवर्धन किया और इस टूर्नामेंट में चार चाँद लगाए इसके लिये सभी जनता जनार्दन को नमन किया। जिले के बटियागढ़ में आयोजित मंत्री कप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला सदगुआ और चिरोला क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में चिरोला क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। फाइनल मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सदगुआ टीम ने 15 ओवर में 147 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चिरोला क्रिकेट क्लब की टीम ने दो विकेट से मैच जीता। और टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभम पटेल को मैन ऑफद मैच एवं मैन ऑफद सीरीज चुना गया।

दिन में हाथ ठेले पर सब्जी बेंचते हुए रैकी करता

रात में सूने घरो में चोरी,माल सहित आरोपी पकडाया

पिपरिया (ब्यूरो)। मंगलवारा पुलिस ने एक शातिर चोर को गश्ती के दौरान पकडा। आरोपी दिन में हाथ ठेले पर फैरी लगाकर सब्जी बेंचता था और सूने घरो की रैकी कर उनमें चोरी करता था। मंगलवारा पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर आरोपी का खुलासा किया। मंगलवारा पुलिस ने बताया कि फरियादी विपिन यादव निवासी पालीवाल कालोनी हथवांस ने दिनांक 1जनवरी 2026 को दिन मे करीबन 11 बजे परिवार सहित छींद धाम बरेली दर्शन करने गया था। जब वह दर्शन करके शांम करीबन 4.30 घर वापस लौटा तो देखा की घर और अलमारी का ताला टूटा हुआ था जिसमें रखे नगदी करीब 20 . 25 हजार रुपये चाँदी के सिक्के,बिछिया,अंगूठी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई थी । जिसकी रिपोर्ट पर मामला कायम कर विवेचना मे लिया गया। इसी प्रकार दिनांक 25नवंबर 2025 को फरियादी प्रशांत पालीवाल द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई की दिनांक 25नवंबर 2025 को उसके माता पिता मैरेज गार्डन में रात्रि करीबन 9 बजे घर से बाहर गये थे। करीब एक घंटे बाद जब माता पिता घर वापस लौटे तो कोई अज्ञात लड़का घर के अंदर घुसा हुआ था

चिल्लाने पर वह घर से निकलकर भाग गया। जिसमें वह 10हजार रुपये,मोबाईल फोन व अन्य सामान लेकर फरार हो गया। उक्त विवरण पर थाना पिपरिया मे अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। दोनो प्रकरण में दिनांक 9फरवरी 2026 को रात्रि करीब 3.30 बजे गस्त पार्टी द्वारा एक संदेही के रात्रि मे घूमते हुए मिलने से उसे अभिरक्षा मे लिया गया और नाम पता पूछा जिसने अपना नाम महेश कुशवाह पिता गंगाराम कुशवाह निवासी काछी मोहल्ला हथवांस का होना बताया। आरोपी से सघनता से पूछताछ की गई तो उसने अपने अन्य साथी के साथ दिनांक 1जनवरी 2026 व दिनांक 25नवंबर 2025 को दोनो बारदात करना स्वीकार किया। आरोपी दिन में सब्जी का ठेला लगाता है और रैकी करके अपने साथी के साथ चोरी करता है। आरोपी पर पूर्व मे भी मारपीट एवं चोरी के 4 अपराध पंजीबद्ध है। प्रकरण मे आरोपी से एक मोबाईल 33हजार रुपये नगद,चांदी की बिछिया व चांदी के सिक्के बरामद कर लिये गए है। एक अन्य आरोपी के संबंध मे पूछताछ की जा रही है। जिसमें मुख्य भूमिका निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी,सउनि सुशील कुशवाहा,प्रधान आरक्षक योगेश यादव, महेन्द्र गौर, पूनम चौधरी, अरुण सिंह, आरक्षक हेमंत पटेल, ललित हणे, शिवम् वर्मा, स्नेह साहू, राधेश्याम, अमरदास कलम की रही।

महाविद्यालय की एनएसएस बालिका इकाई द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया

पिपरिया/पचमढ़ी (ब्यूरो)। नगर के शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस बालिका इकाई द्वारा एक दिवसीय एनएसएस शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के शहीद भगत सिंह प्रांगण में हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजीव महेश्वरी ने स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए प्रेरणादायक उद्बोधन दिया तथा राष्ट्रसेवा एवं सामाजिक दायित्वों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान 26 जनवरी 2026 की परेड में भाग लेने वाली एनएसएस स्वयंसेविकाओं को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी डॉ एस के मेहरा,प्रो एस के बघेल,डॉ अरुण मोथा एवं डॉ अम्बिका सिंह उपस्थित रहे। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ राजीव महेश्वरी द्वारा बाल उत्पीड़न के विरुद्ध जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में शामिल सभी एनएसएस स्वयंसेविकाएं गोद ग्राम हथवास पहुँचीं। जहाँ शासकीय प्राथमिक कन्या विद्यालय में बाल संरक्षण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती राधा ठाकुर एवं श्रीमती माया राय की उपस्थिति रही। जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज को संदेश दिया गया। एनएसएस स्वयंसेविका निकिता कुशवाहा ने बच्चों को गुड टच एवं बैड टच के अंतर को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। वहीं हर्षिता यादव द्वारा बाल संरक्षण विषय पर प्रेरक कहानी प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात ग्राम हथवास के माता मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। इस एक दिवसीय शिविर में लगभग 45 एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया।

हर हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो रहा है पचमढ़ी

पिपरिया (ब्यूरो)। मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी इन दिनों हर हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो रहा है। श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जैगरे लगाते हुए ढोल नगाड़ों की ताप पर नाचते गाते हुए अपने आराध्य भगवान शिव के मंदिर चौरागढ़ पहुंच रहेहैं। श्रद्धालु गाना अपनी मनोकामना की पूर्ति होने के पश्चात आस्था के प्रति बड़े.बड़े त्रिशूल अपने हाथों में लिए दुर्गा में एवं कठिन रास्तों से चौरागढ़ मंदिर के शिखर तक पहुंच रहे हैं। भक्तों का यह उत्साह रात्रि में भी काम नहीं हो रहा है उनके उत्साह एवं भक्ति में किसी प्रकार की भी कमी नहीं देखी जा रही है। इस कड़कड़ाती ठंड और और कठिन चढ़ाई के बाद भी मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए भक्तों की कतार नहीं टूट रही है। भक्त भक्त देर रात्रि तक शिखर स्थल चौरागढ़ मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन का लाभ ले रहे हैं। कलेक्टर के निर्देशन में पूरा प्रशासनिक अम्ल मुस्तादी से मेले की व्यवस्थाओं को संभाले हुए हैं। अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से मेला क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। पुलिस विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच कर श्रद्धालुओं को सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक रूप से समझाइए दी जा रही है यातायात एवं परिवहन विभाग द्वारा निरंतर वाहनों की जांच कर अवैध वसूली एवं अतिरिक्त किराया मांगने वालों पर कार्यवाही की जा रही है। सुरक्षित एवं सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए पूरा पुलिस बल अपनी सेवाएं 24 घंटे दे रहा है।

आपरेशन मुस्कान के तहत अपहर्त बालिका को दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया

पिपरिया (ब्यूरो)। मंगलवारा पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहर्त बालिका को दस्तयाब कर परिजनो के सुपर्द किया। मंगलवारा पुलिस ने प्रोस नोट जारी कर बताया कि दिनांक 30 जनवरी 2026 को फरियादी निवासी ग्राम सिरपन ने रिपोर्ट किया कि उसकी नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना पिपरिया मे अपराध पंजीबद्ध किया गया था। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्ण एस थोटा के मार्ग दर्शन मे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी

पिपरिया निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम गठित कर लगायी गयी। पुलिस टीम द्वारा प्रदेश में संचालित मुस्कान अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए कस्बा मे लगे कैमरे चेक किए गए एवं अपहर्त बालिकाओ की फोटो दिखाकर तलाश की गई। दौराने जाँच तकनिकि एवं गैरतकनिकि साधनो एवं अपहर्त बालिका की तलाश हेतु मुखबिर तंत्र को विकसित किया दौराने विवेचना अपहर्ता को दस्तयाब कर अपहर्ता के कथन के आधार पर आरोपी श्रीकांत पिता धनराज किरार निवासी पुनौर के विरुद्ध धारा 87,64(2) बीएनएस पाक्सो एवं एसटी/एससी एक्ट का इजाफा किया। अपहर्त बालिका को दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया है। जिसमें मुख्य भूमिका निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी, सउनि आशीष तिरोल्या,प्र.आर. रोहित मसिह,अरुण सिंह, आर. मनोज सिरसाम, म.आर.निधि तिनगुनिया व रविना धुर्वे की रही ।

मप्र के डबरा में नवनिर्मित नवग्रह शक्ति पीठ में कलश वितरण कार्यक्रम में भगदड़, एक महिला की मौत, 3 गंभीर

मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजन को 4 लाख और गंभीर 3 घायलों को एक-एक लाख रुपए देने की घोषणा की, निःशुल्क उपचार की व्यवस्था के दिए निर्देश

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में मंगलवार को नवग्रह शक्ति पीठ में कलश वितरण के अवसर पर हुई दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं व एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हुईं हैं। इसके साथ ही चार अन्य महिलाओं को मामूली चोट आई हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए मृतक महिला के परिजन को चार लाख रुपये एवं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही गंभीर सभी घायलों का निःशुल्क उपचार कराने के निर्देश भी दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, डबरा में मंगलवार को नवग्रह शक्ति पीठ में कलश यात्रा के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुई थीं। इस दौरान कलश वितरण के अवसर पर अचानक भगदड़ मच गई। इस घटना में एक महिला की मौत दो महिलाएं व एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हुईं हैं। इसके साथ ही चार अन्य महिलाओं को मामूली चोट आई है। घटना में गंभीर रूप से घायल दो महिलाओं एवं एक बच्ची को तत्काल ग्वालियर स्थित अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार प्रारंभ कर दिया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर रुचिका चौहान ग्वालियर स्थित एप्पल अस्पताल एवं जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुँचीं और घटना में घायल मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि घायलों का उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने इसके पश्चात डबरा पहुंचकर नवग्रह शक्ति पीठ पर आयोजित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने डबरा चिकित्सालय पहुँचकर चिकित्सकों से भी चर्चा की।

पं. दीनदयाल उपाध्याय: एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक: डॉ. मोहन यादव

भोपाल। व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण का मार्ग दिखाने वाले , विलक्षण व्यक्तित्व के धनी , एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के प्रणेता पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिश: नमन।

पं . दीनदयाल जी का जीवन भारत राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ है। वे एक ऐसे ऋषि राजनेता थे जो समाज, संस्कृति और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए समर्पित रहे। उन्होंने राजनीति को राष्ट्रधर्म की साधना का माध्यम माना। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्र भारत की यात्रा भारतीय दर्शन , संस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए।

पं . दीनदयाल जी ने राजनीतिक चिंतन को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए एकात्म मानव दर्शन का सूत्र दिया। इसमें व्यक्ति , समाज , राष्ट्र और सृष्टि के बीच समन्वय और संतुलन समाहित है। यह जीवन और संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है। यही दर्शन व्यष्टि से समष्टि की रचना करता है। इसमें श्रीकृष्ण के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से लेकर आज के वैश्विक परिदृश्य का समावेश है।

पं . दीनदयाल जी भारत के भविष्य की कल्पना चतुर्पुरुषार्थ –धर्म , अर्थ , काम और मोक्ष के आधार पर की। उनका विश्वास था कि इन चारों का संतुलन ही व्यक्ति और समाज को पूर्णता की ओर ले जा सकता है। यदि व्यक्ति और समाज को विकास के समान अवसर दिए जाएँ , तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण संभव है। पं . दीनदयाल जी का मानना था कि राजनीति का अंतिम लक्ष्य सशक्त , समरस और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है। उनका विकास मॉडल केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं था , बल्कि उसमें सांस्कृतिक चेतना , सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक संतुलन का समावेश था। वे चाहते थे कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे , तभी वह सच्चा विकास कहलाएगा। यही अंत्योदय का भाव है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिस विकास पथ पर अग्रसर है , उसके मूल में पं . दीनदयाल जी का चिंतन है। विरासत से विकास , आत्मनिर्भर भारत , वोकल फॉर लोकल और सबका साथ – सबका विकास , यह सभी एकात्म मानव दर्शन के आधुनिक रूप हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 , स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित किया जाए। यह संकल्प पं . दीनदयाल जी के स्वप्निल भारत की ही साकार अभिव्यक्ति है।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण की परिकल्पना को मूर्तरूप देने की दिशा में प्रदेश के प्रत्येक अंचल को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के हर क्षेत्र की क्षमता , मेधा और दक्षता को अवसर प्रदान करने के लिए जहां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का नवाचार किया गया, वहीं भोपाल में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से स्थानीय उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। निवेश के लिये हमने यूके , जर्मनी , जापान और दावोस आदि यात्राएं कीं और हैदराबाद , कोयंबटूर सहित मुंबई में रोड–शो के माध्यम से उद्योगपतियों को आमंत्रित किया। यह क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर तक उद्योग को जोड़ने का पहला सशक्त प्रयास है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन को व्यवहार में उतारने का प्रयत्न किया जा रहा है। समरस, संवेदनशील और उत्तरदायी शासन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं और विकास के लक्ष्य धरातल पर पहुंच रहे हैं। प्रदेश में गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवा शक्ति और नारी सशक्तिकरण को केन्द्र में रखकर 4 मिशन के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इससे समाज के सभी वर्गों के कल्याण का लक्ष्य पूर्ण होगा।

पं . दीनदयाल जी ने आर्थिक विकास के लिए कृषि , उद्योग , परिवहन , व्यापार समाज , सुरक्षा एवं सेवा का एक स्पष्ट और व्यावहारिक क्रम बताया। इस क्रम में कृषि प्रधान देश भारत में खेती को प्रथम स्थान देने की आवश्यकता व्यक्त की। उनका मानना था यदि देश में कृषि सुदृढ़ होगी , तो किसानों की आय बढ़ेगी , ग्रामीण जीवन में स्थिरता आएगी और उद्योगों को कच्चा माल एवं श्रम दोनों सहज रूप से उपलब्ध होगा। इससे किसान, उपभोक्ता और समाज तीनों का संतुलन बना रहेगा। पं . दीनदयाल जी खेती की मजबूती और किसानों की समृद्धि को समग्र विकास का आधार मानते थे। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में किसानों के स्वाभिमान, सुरक्षित जीवन और आत्मनिर्भरता को केन्द्र में रखकर वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक तकनीक , उन्नत बीज , सिंचाई , भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। कृषि आजीविका के साधन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2025–26 किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में पार्वती–कालीसिंध–चंबल तथा केन–बेतवा नदी लिंक राष्ट्रीय परियोजना सहित ताप्ती ग्राउंड वॉटर रिचार्ज मेगा परियोजना से प्रदेश के 25 जिलों में 16 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त कृषि रकबा सिंचित होगा। प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाया जायेगा।

प्रदेश में श्रीअन्न , सरसों और चना अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जा रही है। इससे श्रीअन्न का उत्पादन और पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। इन केंद्रों के जरिए फसलों की गुणवत्ता और पैदावार ब?ने पर विशेष बल दिया जाएगा। प्रदेश के 30 लाख से अधिक किसानों को अगले तीन साल में सोलर पॉवर पम्प दिये जायेंगे। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 65 लाख हैक्टेयर से बढ़ाकर 1 00 लाख हैक्टेयर किये जाने का लक्ष्य है।

पं . दीनदयाल उपाध्याय जी ने स्वाभिमानी, स्वावलंबी और विश्व कल्याण में अग्रणी भारत की कल्पना की थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में देश इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका जीवन और दर्शन हम सबको राष्ट्रधर्म के पथ पर निरंतर अग्रसर करता रहेगा।

राष्ट्र निर्माण के अमर साधक पं . दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर पुन: कोटिश: वंदन।

ब्रीफ न्यूज

प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं परीक्षा प्रारंभ

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हुई। प्रदेश में मंगलवार को अंग्रेजी विषय का पेपर शांति पूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदेश में परीक्षा का आयोजन माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा हायर सेकंडरी परीक्षा वर्ष 2026 का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा सुबह 10 बजे से शुरू हुई परीक्षा 12 बजे तक आयोजित की जा रही है।

परीक्षा के दौरान प्रदेश के भोपाल संभाग के भोपाल जिले में 07 नकल प्रकरण तथा ग्वालियर संभाग के मुरैना जिले में 06 नकल प्रकरण दर्ज किए गए। शेष सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण रही। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत निर्वाचन में होगा सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर प्रयोग

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत आम निर्वाचन–2027 में सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग करेगा। इससे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने में मदद मिलेगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने मंगलवार को इस कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियाँ समय–सीमा में पूरी करें।

बैठक में केन्द्र सरकार की संस्था ह्ढ्डष्टस्ड्ढ के प्रतिनिधि ने स्थानीय निर्वाचन में मतदाता, मतदान, ट्रेकिंग टूल, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक एवं ए.आई. आधारित मतदाता सूची एवं मतदाता सत्यापन सहित अन्य सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों पर विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने आयोग के अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दीपक सिंह ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की निर्वाचन प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग से कुछ पृथक है। अत- इसे ध्यान में रखकर ऐप बनायें। बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल वृत्त के लगभग 3 लाख उपभोक्ताओं को जनवरी में 2 करोड़ से अधिक की छूट

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर में 20 प्रतिशत छूट का लाभ

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्य क्षेत्र में 5 लाख 20 हजार 457 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे छूट का लाभ प्रदान करते हुए जनवरी 2026 में कुल 3 करोड़ 61 लाख 26 हजार की रियायत प्रदान की गई है। इसमें भोपाल शहरी एवं ग्रामीण वृत्त के 2 लाख 97 हजार 813 उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 10 लाख 66 हजार रूपए की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे छूट के तहत यह रियायत प्रदान की गई है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत माह जनवरी 2026 के दौरान यह छूट प्रदान की गई है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने राजस्व मंत्री श्री वर्मा से की मुलाकात

भोपाल। जल संसाधन मंत्री से तुलसीराम सिलावट ने मंगलवार को राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा के निवास पर जाकर उनसे मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने जल संरचनाओं के आसपास, विशेष रूप से बेतवा नदी के कैचमेंट एरिया एवं पेड़ों का संरक्षण और जल स्त्रोतों की सुरक्षा आदि विषयों पर चर्चा की।

मंत्रीद्वय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंध में स्थल निरीक्षण कर तत्परता के साथ कार्रवाई करें और एक सप्ताह के अंदर निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करें.

वर्ष-2027 तक देश को फाइलेरिया मुक्त बनाने समन्वित प्रयास करें: केंद्रीय मंत्री नड्डा

एमडीए-2026 अभियान का किया वर्चुअल शुभारंभ

12 राज्यों के 124 जिलों में 2 सप्ताह तक चलेगा अभियान

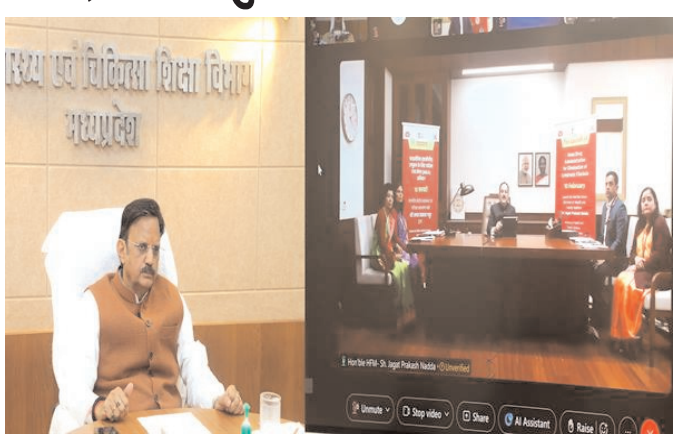

भोपाल। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने 12 राज्यों के 124 जिलों के लिए 'मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान 2026' का नई दिल्ली से वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपील की कि वे प्रशासनिक और राजनीतिक नेतृत्व, सांसद, विधायक, पंचायत प्रतिनिधियों और जिला परिषद सदस्य सहित सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि दवा का सेवन केवल वितरण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक तक यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि दवा पूरी मात्रा में ली जाए।

केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि भारत सरकार 2027 तक लसीका फाइलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे अभियान के दौरान सभी आवश्यक संसाधनों और जागरूकता गतिविधियों को सुनिश्चित करें। हर नागरिक की भागीदारी और दवा का समय पर सेवन ही इस गंभीर रोग को समाप्त करने की कुंजी है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान लसीका फाइलेरिया उन्मूलन रणनीति का अहम घटक है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित 12 राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों, विभागीय अधिकारियों ने वर्चुअल सहभागिता की।

नागरिक स्वयं दवा का सेवन करें, परिवार जन और पड़ोसियों को भी करें जागरूक- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में इस अभियान को 8 जिलों ङ्क छतरपुर, पन्ना, उमरिया, मऊगंज, टीकमगढ़, निवाड़ी, शहडोल और भिंड ङ्क के 12 ब्लॉकों में संचालित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अपील की है कि वे नागरिक स्वयं दवा का सेवन करें, अपने परिवार जन और पड़ोसियों को जागरूक करें और स्वयंसेवक के रूप में अभियान में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अभियान की सफलता और मध्यप्रदेश को फाइलेरिया मुक्त राज्य बनाने में निर्णायक होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि इस अभियान में सामुदायिक नेतृत्व और पंचायतों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रदेश में 8 जिलों के 12 चिन्हित विकासखण्डों में प्रशिक्षित दवा सेवकों के माध्यम से बूथ डे एवं घर–घर भ्रमण के दौरान फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन समस्त पात्र हितग्राहियों को कराया जाएगा। एमडीए के सघन और सफल क्रियान्वयन करने के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा 15 दिन का माइक्रोप्लान तैयार किया गया है। इसके तहत 4 दिन बूथ स्तर पर, 7 दिन घर–घर अभियान और 4 दिन में शेष रह गई जनता के लिए मॉप–अप गतिविधि की जायेंगी। शत–प्रतिशत दवा सेवन के लिए उच्च/वर्तमान संचरण क्षेत्रों में आमजन को जागरूक और प्रेरित किया जाएगा।

फायलेरिया लक्षण और बचाव

फायलेरिया संक्रमित मच्छर (क्यूलेक्स) के द्वारा फैलने वाली बीमारी है। यह बीमारी एक धागे के समान कृमि वुचरेरिया बेनक्रफ्टाई से होती है। प्रदेश में फायलेरिया बीमारी संक्रमण के लिये क्यूलेक्स क्वींक्वीफेसियेटस प्रमुख वाहक मच्छर है। यह मच्छर सामान्यत: गंदे एवं रूके हुए पानी में प्रजनन करता है। फायलेरिया बीमारी के प्रमुख लक्षण प्रारंभिक अवस्था में लगातार बुखार, प्रभावित अंगों (पैरों/हाथ/अण्डकोष/स्तन) में दर्द एवं सूजन है, जो कि धीरे–धीरे हाथी पांव के समान हो जाती है। संक्रमण के 8 से 10 वर्षों के बाद भी उपरोक्त लक्षण प्रकट हो सकते है। राष्ट्रीय फायलेरिया उन्मूलन के लिये मॉस ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए), मोर्बिडिटी मैनेजमेंट ऐंड डिसेबिलिटी प्रिवेंशन (एमएमडीपी) गतिविधियाँ की जा रही हैं। एमडीए में प्रत्येक वर्ष में 1 बार 2 साल से अधिक उम्र (2 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती माताओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर) के जनसमुदाय को निर्धारित मात्रा में डी.ई.सी (डाय इथाईल कार्बामैज़ीन) एवं एल्बेण्डाजोल दवा का सेवन कराया जाता है।

52वें खजुराहो नृत्य समारोह 20 फरवरी से- मंदिरों की नगरी में गुंजेंगे शास्त्रीय सुर

भोपाल। अपर मुख्य सचिव संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश की पावन धरा कला और संस्कृति की सुगंध एक बार फिर विश्व पटल पर बिखरने को तैयार है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक %खजुराहो नृत्य समारोह% के 52वें संस्करण का भव्य आयोजन 20 से 26 फरवरी, 2026 तक किया जा रहा है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के सुप्रसिद्ध पश्चिमी मंदिर समूह परिसर की गौरवशाली पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला यह समारोह इस वर्ष भी अपनी उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुतियों, नवाचारों और नवीन आयामों के साथ कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक–परंपराओं और शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण और प्रसार के लिए निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग का लक्ष्य इस जीवंत परंपरा को जन–जन तक पहुँचाकर मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊचाइयां प्रदान करना है।

खजुराहो नृत्य समारोह वास्तव में भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा की वह जीवंत साधना है, जहाँ इतिहास, अध्यात्म और सौंदर्य के अद्भुत संगम का शाहकार होता है। भव्य मंदिरों के प्रांगण में आयोजित यह समारोह नृत्य को केवल एक मंचीय प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक पवित्र सांस्कृतिक अनुष्ठान के रूप में प्रतिष्ठित करता है। इस वर्ष समारोह की केंद्रीय थीम 'नटराज' रखी गई है, जो भारतीय नृत्य की आध्यात्मिक चेतना, लयबद्धता और सृजनात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जाधव से मिले, आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार

मंत्री श्री परमार ने, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की उज्जैन में स्थापना के लिए किया आग्रह

प्रदेश में संचालित आयुष विभाग अंतर्गत समस्त गतिविधियों से कराया अवगत

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने, मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रताप राव जाधव से भेंट कर, प्रदेश में संचालित आयुष विभाग अंतर्गत समस्त गतिविधियों से अवगत कराया। इस दौरान मंत्री श्री परमार ने, केंद्रीय बजट 2026–27 में की गई घोषणा के तारतम्य में, प्रदेश में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ड्ढ्ढ) की उज्जैन में स्थापना के लिए केंद्रीय आयुष मंत्री से अनुरोध किया। प्रदेश के लिए दो नवीन आयुर्वेद महाविद्यालयों एवं एक होम्योपैथी महाविद्यालय की स्थापना, प्रदेश में वैलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच अन्य केंद्रों की स्थापना एवं टीकमगढ़ में 50 बिस्तरीय चिकित्सालय की स्थापना के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत वित्तीय सहायता के लिए भी आग्रह किया।

इस दौरान केंद्रीय आयुष मंत्री श्री जाधव ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत हुई गतिविधियों के लिए भूरी–भूरी प्रशंसा एवं सराहना की। मंत्री श्री परमार के नेतृत्व में पहुंची आयुष विभाग की टीम ने, केंद्रीय मंत्री श्री जाधव से प्रदेश में आयुष अन्तर्गत संचालित गतिविधियों के अवलोकन के लिए आमंत्रित भी किया।

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सचिव वैद्य श्री राजेश कोटेचा ने, प्रदेश को अधिकतम वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने के लिए आश्वस्त भी किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आयुष श्री शोभित जैन भी उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि पिछले दो वर्ष में प्रदेश सरकार द्वारा 8 नवीन आयुर्वेद महाविद्यालय स्थापित किया जा रहे हैं, इनमें से 7 आयुर्वेद महाविद्यालयों का वित्तीय पोषण, भारत सरकार अंतर्गत राष्ट्रीय आयुष मिशन से प्राप्त हुआ है। इसके साथ प्रदेश के लिए खजुराहो में योग संस्थान स्थापित किए जाने और नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के अंतर्गत प्रदेश के एकलव्य स्कूलों में पोषण वाटिका स्थापित किए जाने के लिए भी केंद्रीय वित्तीय सहायता का अनुरोध किया गया।

इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के लिये रहे जागरूक

भोपाल। सेफर इंटरनेट डे–2026 के अवसर पर इस वर्ष की निर्धारित थीम एआई और उभरते साइबर जोखिम के तहत राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मध्यप्रदेश राज्य इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को इंटरनेट के सुरक्षित, जिम्मेदार और जागरूक उपयोग के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा निदेशालय के आयुक्त श्री अवधेश शर्मा उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्री कमलेश जोशी ने की। इस अवसर पर एनआईसी राज्य इकाई के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की। साथ ही प्रदेश के सभी शासकीय एवं स्वायत्त इंजीनियरिंग तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों के शिक्षक एवं विद्यार्थी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने पर जोर दिया। वक्ताओं ने बताया कि वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग जहां विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है, वहीं इसके दुरुपयोग से साइबर अपराधों के नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। एआई–सक्षम धोखाधड़ी, डीपफेक तकनीक, वॉयस क्लोनिंग, व्यक्तिगत संदेशों के माध्यम से ठगी और स्वचालित साइबर हमलों जैसे खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने साइबर स्वच्छता की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए मजबूत पासवर्ड का उपयोग, संदिग्ध लिंक या संदेशों से सावधानी, सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचाव तथा नियमित रूप से डिजिटल उपकरणों के अपडेट रखने जैसे उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में नागरिकों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर बताया गया कि सेफर इंटरनेट डे प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे मंगलवार को विश्व के लगभग 160 देशों में मनाया जाता है।

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा शुरू, उपभोक्ता जागरूकता के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 9 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक स्मार्ट मीटर पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत उपभोक्ता जागरूकता को लेकर विशेष अभियान संचालित है। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान उपभोक्ताओं को जहां स्मार्ट मीटर के फायदे बताए जा रहे हैं, वहीं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है।

इस दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से होने वालें लाभों जैसे भुगतान सुविधा, रियल टाइम डेटा, खपत पर बेहतर नियंत्रण, सही एवं पारदर्शी बिलिंग, बेहतर सेवा के संबंध में व्यापक रूप से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं के मोबाइल फोन में उपाय एप की डाउनलोडिंग एवं लाइव डेमोस्ट्रेशन किया जा रहा है, जिससे वे चौबीसों घंटे ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकें।

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान गांव, शहर के मोहल्लों में घर–घर जाकर स्मार्ट मीटर के फायदों की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा पंप्लेट, पोस्टर, वीडियो, ऑडियो, रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया के जरिए व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। जगह–जगह फ्लेक्स, होर्डिंग्स लगाकर जागरूक किया जा रहा है। स्व–सहायता समूहों, आंगनवाडी कार्यकर्ता आदि के द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इस दौरान चेक मीटर लगाकर स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली को परंपरागत मीटरों से तुलना करके भी बताया जा रहा है ताकि उपभोक्ताओं के मन में किसी तरह का भ्रम न रहे।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर–462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए–2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल–11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: ज्ञान सिंह बघेल।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), फोन: 9131883521, ई-मेल: janjanjagran@gmail.com **आर.एन.आई.नं. 58842/94**